डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक - आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 43 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 25 नवम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

सहकारी सोसायटी में लाखों की चोरी

पुलिस ने खंगाले केमरे, पुलिस को लगे सुराग हाथ

दलौदा, 24 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। नगर के फोरलेन के मध्य स्थित जागृति साख सहकारी संस्था में दिन दहाड़े लाखों की चोरी का मामला सामने आया हैं। नगर के व्यस्ततम मार्ग पर इतनी बडी घटना होना प्रशासन के लिए चेलेंज हैं। चोरों द्वारा फिल्मी स्टाइल में वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने किसी भी प्रकार के ताले नहीं तोड़े ओर चोरी कर डाली। पुलिस जांच में जुटी हैं। पुलिस ने केमरे खंगाल कर कार्यवाही शुरू की हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को कुछ सुराग लगने की जानकारी भी मिली हैं। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर में आयुष पिता संजय जैन निवासी दलौदा अपनी जागृति साख सहकारी सोसायटी में आए और केश देखा तो पता चला कि गल्ले में रखी नगदी गायब हो गई हैं। संचालक ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आकर चेक किया, केमरे खंगाले ओर कुछ सुराग भी हाथ लगे। बदमाश इतने शातिर थे कि वे पीछे की ओर से उपर चढे और हाथ साफ कर निकल लिए। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की हैं।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दलौदा थाना क्षेत्र के फोरलेन मार्ग पर रविवार सुबह कार और बाइक की टक्कर में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वहीं, कार सवार मौके से कार लेकर भाग गया। स्थानीय लोगों ने घायल को बड़े अस्पताल भिजवाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत गई। उधर कार चालक को जावरा में पकड़ लिए जाने की खबर है।

दलौदा थाना पुलिस के अनुसार रविवार सुबह इंदौर-नसीराबाद फोरलेन मार्ग के भावगढ़ फंटे के पास तेज रफ्तार टाटा पंच कार क्रमांक एमपी43 जेडसी 5808 का चालक बाइक सवार जयंतीलाल पिता मुकेश पाटीदार उम्र 35 साल निवासी दलौदा रेल को टक्कर मारकर फरार हो गया। इस हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से टोल टेक्स की एम्बुलेंस से बड़े अस्पताल भिजवाया गया। जहां उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि जिस कार ने युवक को टक्कर मारी थी, उसे पुलिस ने जावरा के निकट से पकड़ लिया है।

शहर में यातायात पुलिस और परिवहन विभाग सिर्फ समय-समय पर भी विशेष अभियान चलाकर आमजन को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाते हैं। किंतु बाकी दिनों में सड़क पर दौड़ती हुई लापरवाहियां देखी जा सकती है। शहर में ओवर लोड लोडिंग वाहन दौड़ रहे हैं। जिससे कभी भी हादसे का डर लगा रहता है तो वही लोडिंग वाहनों को भी सवारी गाड़ी बनाकर उसमें लापरवाही पूर्वक सफर किया जा रहा है।

परिवहन विभाग: बाबूगिरी छोड़ बन रहे इंस्पेक्टर

अधिकारियों की बस मालिकों से तगड़ी जुगलबंदी, सिर्फ हादसों के बाद औपचारिकता का खेल..?

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। लंबे समय से परिवहन विभाग आरोपों के घेरे में है। बस मालिकों से अधिकारियों की जुगलबंदी का ही परिणाम है कि नियमों को ताक पर रखकर यमराज का रूप धारण कर सड़को पर बसें दौड़ रही है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस कर्मचारी को लिखा पढ़ी की ट्रेनिंग दी गई है और बाबू की पोस्ट पर पदस्थ है वह सड़कों पर उतरकर बसों की फिटनेस चेक करती है। यह जांच पड़ताल भी सिर्फ हादसों के बाद एक दिखावा ही होता है। बसों की जांच पड़ताल के लिए इंस्पेक्टर की नियुक्ति परिवहन विभाग में होती है। जिन्हें बसों की जांच पड़ताल के लिए स्पेशल ट्रेनिंग दी जाती है। लेकिन, विचार का विषय है कि इंट्री और लिखा पढ़ी का काम करने वाला कर्मचारी किस तरह से बसों की जांच पड़ताल कर सकता है। बस मालिकों को दिया जा रहा अभयदान अधिकारियों को कटघरे में खड़ा कर रहा है। इधर बस संचालक नियमों के पालन करने का दिखावा कर रहे हैं। बसों में फिटनेस-परमिट की कापी चस्पा नहीं है, अग्निशमन यंत्र नहीं है। वहीं स्लीपर कोच बसों में दो के बजाए एक ही दरवाजा है, ऐसे में हादसे के समय ये बसें यात्रियों के लिए ज्यादा खतरनाक हो जाती हैं। मंदसौर के दोनों बस स्टैंड पर प्रतिदिन लगभग 400 बसों का आवागमन होता है। एक आकड़े को सही माने तो जिले में लगभग 40 से अधिक बसे बिना परमिट के ही चल रही हैं।

स्लीपर बसों में एक ही गेट...

स्लीपर बसों में भी सुरक्षा नियमों से खिलवाड़ किया जा रहा है। इन बसों में एक ही गेट है, जिससे कभी भी हादसा होने पर ये ज्यादा खतरनाक साबित हो सकती हैं। जबकि बसों में दो गेट होना अनिवार्य है। स्लीपर बसें रोजाना नियमों को तोड़ती हुई शहर के बीच से निकल रही हैं।

इन रूटों पर चलती हैं बसें...

मंदसौर के दोनों बस स्टैंड से चलने वाली कई बसों की हालत ठीक नहीं हैं। इन दोनो ही बस स्टैंड पर दिन भर मंदसौर-रतलाम, मंदसौर-नीमच, मंदसौर-प्रतापगढ़, मंदसौर-सीतामऊ सुवासरा, शामगढ़, गरोठ, भानपुरा, मंदसौर-जावद, मंदसौर-मनासा, मंदसौर-संजीत, मंदसौर-आगर, मंदसौर-इंदौर, मंदसौर-धार, मंदसौर-अजमेर, मंदसौर-उदयपुर, मंदसौर-भीलवाड़ा, मंदसौर-चित्तौढ़ सहित अन्य मार्गो पर प्रतिदिन बसें चल रही हैं।

परमिट एक बस का, चल रही चार बसें...

नीमच, मंदसौर से इंदौर-उज्जैन के लिए दिन भर में 30 से अधिक बसें चल रही हैं। परिवहन विभाग के सूत्रों की माने तो इनमें से महज 10-12 बसों का ही परमिट हैं। बाकी बसे ऐसे ही चल रही है। इसमें परिवहन विभाग का भी योगदान है। परिवहन विभाग कभी इन बसों की जांच भी नहीं कर रहा है।

दूसरे राज्यों की बसें चल रहीं जिले में...

जिले में कई बस मालिक तो ऐसे भी है जो परमिट वाली बस की जगह दूसरे राज्यों में पंजीकृत बसे चला रहे हैं। मंदसौर जिले में नागालेंड, राजस्थान, गुजरात में पंजीकृत बसे चल रही है। पर, जिस दिन जांच करना होती है, उस दिन पहले ही बस मालिक को सूचना कर दी जाती है। तो वह बस ही नहीं चलाते हैं।

जिलेभर में चल रहीं अनफिट बसें...

जिले भर में बिना परमिट चल रही बसों, टेम्पो व फिटनेस में फेल हो चुके वाहनों पर कार्रवाई कर उन्हें जब्त करने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है। लेकिन, विभाग के अधिकारी इस तरफ ध्यान ही नहीं दे रहे हैं। स्थिति यह है कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में खस्ताहाल बसों में क्षमता से ज्यादा यात्री व लगेज का परिवहन हो रहा है।

बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बर्फीली हवाओं की वजह से तापमान में गिरावट का दौर बना हुआ है। सोमवार से इसमें मामूली इजाफा देखने को मिल सकता है। जिले में अधिकतम तापमान 26 डिग्री व न्यूनतम तापमान 12 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

मौसम केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि उत्तर से बर्फीली हवा का सबसे ज्यादा असर भोपाल संभाग और उसके आसपास हो रहा है। मौसम विभाग की माने तो अगले 3 दिन प्रदेश में कड़ाके की ठंड रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ों पर बर्फ पिघलने के बाद वहां से आई बर्फीली हवा से ठंड बढ़ी है। अगले दो-तीन दिन और ऐसी कड़ाके की ठंड से राहत के आसार नहीं है। वर्तमान में एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन के रूप में उत्तरी हिस्से में एक्टिव है। वहीं पूर्वी हिस्से में एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन एक्टिव है। उत्तरी हवाएं भी प्रदेश में आ रही है। इस कारण तेज ठंड है।

सड़क पर बारात बनती जाम का कारण

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बैंड, बाजा और बारात यानी जोश, उल्लास और डांस। लेकिन, जब यह जलसा सड़क पर होता है तो लोगों के लिए पैदा होती है सिर्फ परेशानी। बात यहां हो रही है रोड़ जाम करती बारातों की। शादियों के मौसम में यह समस्या इन दिनों आम बात हो गई है। प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं होने से आम लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

शादियों की रौनक बाजार में चार चांद लगा रही है। लेकिन, आम लोगों के लिए मुसीबत बन रही है। खासतौर पर बीच बाजारो से गुजरती बारातेंद्ध जिनमें नाचते बाराती घंटों तक सड़कों को रौंदते हुए जाम का कारण बन रहे है। उस मार्ग से गुजरने वाले लोग बंधक बनकर रह जाते हैं। मुसीबत उस वक्त बढ़ जाती है जब किसी बीमार को अस्पताल पहुंचाना होता है या किसी को आवश्यक कार्य से कहीं जाना होता है। बारात के कारण लगे जाम में फंसकर सिर्फ व्यवस्था को कोसने के अलावा कोई चारा नहीं रहता। शहर में मैरिज गार्डन, परिणय रिसोर्ट और धर्मशालाएं अलग-अलग दिशाओं में है। कुछ शहर से दूर तो कुछ शहर के भीतरी इलाकों में स्थित है। घनी आबादी से दूर विवाह समारोह हो तो भी कई परिवार शहर के भीतर प्रोसेशन निकालने में शान समझते हैं। यही वजह है कि बाजार में जाम की स्थिति बनती है। शहर की मुख्य सड़के भी इस अव्यवस्था से नहीं बचती।

बारात के साथ सड़क पर आतिशबाजी के धमाके भी राहगिरों को आतंकित करते हैं। पग-पग पर बीच सड़क पर सुतली बम फोड़ते बाराती उस वक्त आम लोगों का ध्यान नहीं रखते। कई बार आने जाने वाले लोग जख्मी हो जाते हैं। आए दिन विवाद की स्थिति निर्मित होती है।

प्रशासन लगा सकता है अंकुश...

अनियंत्रित बारातों और सड़क जाम करते जलसों पर प्रशासन अंकुश लगा सकता है। कुछ साल पहले जबलपुर में कलेक्टर ने आईपीसी की धारा 144 के तहत इस तरह की कार्रवाई की थी। उन्होंने दंडाधिकारी की हैसियत से एक आदेश जारी किया था। इसके मुताबिक शहर के भीतरी भागों में बारात निकालने के समय यातायात बहाल रहे, ऐसी व्यवस्था की जाए। मार्ग की चौड़ाई का चौथाई से अधिक हिस्सा बारात के उयोग में नहीं किया जा सकता। एंबुलेंस और दमकल जैसी आवश्यक सेवाओं के आवागमन में किसी प्रकार का अवरोध न हो। उन्होंने ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के लिए सक्षम अधिकारी से पूर्व अनुमति लेने के निर्देश दिए थे। यहीं नहीं कलेक्टर ने सड़क पर आतिशबाजी के प्रयोग को भी पूर्णत: प्रतिबंधित कर दिया था। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए थे कि प्रतिबंधात्मक उपायों का उल्लंघन किया तो आईपीसी की धारा 188 के तहत दंडात्मक कारवाई की जाएगी। अब यह सवाल उठता है कि जब बारातों को नियंत्रित करने का अधिकार कलेक्टर के पास है तो यहां इसका उपयोग क्यों नही हो पा रहा?

कई राज्यो में है सख्त नियम...

शादी और ऐसे ही अन्य समारोह के लिए महाराष्ट्र सहित कई राज्यो में सख्त नियम है। वहां कई शहरों में बारात निकालने के लिए प्रशासन से पूर्व में अनुमति तो लेनी पड़ती है। साथ ही बारातियों की संख्या भी बताना जरुरी है। उसी के अनुरुप पुलिस जवानों की व्यवस्था की जाती है। जिसका शुल्क आयोजकों को जमा कराना होता है।

खड़ी कार से मिला 60 किलो डोडाचूरा

नीमच, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के जावद थाने की नयागांव चौकी पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार से 60 किलो डोडा चूरा जप्त किया। नयागांव पुलिस अब कार ड्राइवर व मादक पदार्थ की तलाश में जुटी है।

नयागांव चौकी प्रभारी को मुखबीर से सूचना मिली कि गांव गोठा चार खंबा चौराहे पर एक कार दुर्घटनाग्रस्त हालत में है। सूचना के बाद नयागांव चौकी प्रभारी मंगलसिंह राठौर तथा टीम पहुंची। कार की तलाशी लेने पर अंदर 25-25 किलो के दो कपडे के बैग तथा एक 10 किलो का बैग मिला। सभी में डोडा चूरा भरा था। इस पर पुलिस ने कुल 60 किलो डोडा चूरा जप्त किया। इसके साथ ही कार को जप्त किया। बिना नंबर की सेंट्रो कार 2008 मॉडल है। मामले में नयागांव पुलिस जांच कर रही है।

अमीर नेताओं की गरीब कांग्रेस में जनसाख बढ़ाने वाली सोच है ना अनुशासन, ना समर्पित कार्यकर्ता...कैसे मिलेगी जीत..!

मंदसौर/उज्जैन, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। देश की सबसे पुरानी और सबसे ज्यादा सत्ता सुख भोगने वाली कांग्रेस पार्टी बीते डेढ़ दशक में जनसाख खोते हुए इतनी कमजोर हो चुकी है कि अब लाचार सी नजर आ रही है। इतनी लाचार की पूरी कांग्रेस लगातार देख रही है अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं को कांग्रेस त्यागते और जन आधार का ग्राफ गिरते हुए। ऐसा होते हुए घटनाक्रम का दौर 2014 से शुरू हुआ और 2024 तक इसकी गति तेज होती गई और अभी भी थमने का नाम नहीं ले रही है। यह दृश्य सिर्फ कांग्रेस के राष्ट्रीय और प्रादेशिक शीर्ष नेताओं के अलावा देश के राजनीतिक समीक्षक, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ताओं को साफ दिख रहा है। ऐसी परिस्थितियों में स्वाभाविक ही यह आम दृश्य और विचार बनने लगा कि बहुत अमीर नेताओं की गरीब राजनीतिक पार्टी कांग्रेस में कमियां उजागर होने के बाद सुधार किये जाने के प्रयास तो दूर ऐसी सलाह देने वालों को भी कांग्रेस से बाहर कर दिया जाता है।

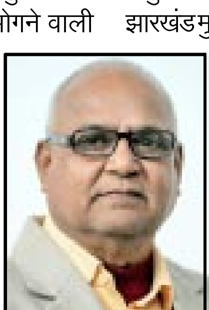

चन्द्रमोहन भगत

राजनीतिक दलों के लिए यह विशेषता होना अनिवार्य रहता है कि किसी भी चुनाव में हारने के बाद गंभीरता से यह जांचना की किन कारणों से जीतने वाली बाजी हार गए या बराबरी वाली बाजी इतनी बुरी तरह से कैसे हार गए। अनुभवी चलन सपा में, हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा, और भाजपा में स्पष्ट देखने को मिल रहा है, बस अमीरों की गरीब कांग्रेस में नहीं ? पहले चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के समय सतह पर यह बात जाहिर थी कि मध्य प्रदेश में प्रत्याशी चयन को लेकर दिग्विजय सिंह और कमलनाथ की स्पर्धा और असहमति तो राजस्थान में पूरे 5 साल तक अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चलने वाला राजनीतिक युद्ध। इसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और सिंहदेव की स्पर्धा के साथ मुख्यमंत्री बघेल की कांग्रेस के घोर विरोधी गोदी सेठ से दोस्ती ने मिलकर जीतने वाली कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में हरवा दिया था।

इसके एकदम विपरीत भाजपा संगठन की व्यूह रचना सांगठनिक दक्षता और अनुशासन का प्रदर्शन देखिए कैसे राज्यों में सरकार बनाई जाती है। हरियाणा में अधिक विधायक जिताने के लिए सिरसा से अपने घोषित प्रत्याशी को हटाया और अपने ही प्रत्याशियों को वोट पाने के लिए, जातीय समझौते और स्पर्धा करने की सार्वजनिक छूट देकर भाजपा हाईकमान खुद मैदान से दूर हो गया था। यही तरीका महाराष्ट्र में अपनाया गया था। हम 19 सितंबर को 'गुरु एक्सप्रेस' में यह जाहिर कर चुके थे।

कांग्रेस के साथ महाराष्ट्र में भी खेला होने जा रहा है...

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में मात खाने के बाद भाजपा ने केंद्रीय मंत्री अश्विन चौबे को तत्काल ही महाराष्ट्र भेजा, जो पूर्व आईएएस अधिकारी थे। बीजेपी के पुश्तैनी कार्यकर्ता भी नहीं थे। चौबे ने लोकसभा हार के कारणों को बारीकी से पहचानने के लिए अपने पदाधिकारियो को अनभिज्ञ रख क्षेत्रीय से लेकर राष्ट्रीय एजेंसियों के पत्रकारों और दिहाड़ी व्यापारी जो गली मोहल्ले में घूमते हैं, उनको बुलाकर उनसे मुलाकाती चर्चा कर यह खोज लिया कि जनमत भाजपा से किन कारणों से नाराज रहा था। यह जानने के बाद इन कारणों का अध्ययन किया गया। इनको निष्प्रभाव कर भाजपा के पक्ष में वातावरण बनाने के लिए कई योजनाएं बनाई गई, कुछ लागू भी कराई गई और कुछ सरकार बनने पर करने का वायदा किया गया। यह कर हारती बाजी को बंपर जीत में उलट दिया।

ऐसा सांगठनिक दक्षता और समर्पित टीम के सहारे ही किया जा सकता था, कर भी दिया गया। यह भी देखा गया कि भाजपा के साथी एनसीपी, शिंदे शिवसेना में प्रत्याशी चयन विवाद भले ही रहा हो, पर सतह पर जरा सी भी अंतर विरोध की आवाज नहीं आई। जबकि, महा विकास आघाड़ी में कहीं संजय राउत के मुख्यमंत्री बनने के बयान तो कुछ सीटों पर प्रतिष्ठा बनाना। कांग्रेस का खुद अपने कुछ प्रत्याशी चयन के अंतिम समय तक नाम तय नहीं कर पाना, सबसे प्रमुख मुद्दा गोदी सेठ को लेकर भूपेश बघेल, अशोक गहलोत और शरद पवार की दोस्ती ने राहुल के विरोध को जनमत में शिथिल कर दिया था। ऐसे सारे कारणों ने महा विकास आघाड़ी को नकारने का वातावरण बनाया तो लाड़की बहना योजना में भविष्य में 2100 रुपए प्रतिमाह देने की घोषणा ने महिलाओं के 6 प्रतिशत वोट महायुति के बढ़ा दिए। फिर मुख्यमंत्री चयन पर महायुति ने किसी का नाम नहीं लिया था, इस अनुशासित वातावरण का लाभ भी महायुती को ही मिला, यह साफ नजर आ रहा है।

मिनी स्टेडियम की दुर्दशा- मंदसौर शहर का कालाखेत खेल मैदान वैसे तो मिनी स्टेडियम के नाम से जाना जाता है। किंतु मिनी स्टेडियम जैसा मैदान दिखता नहीं है। मैदान पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो गया है। जगह-जगह पत्थरों के ढेर लगे हुए हैं। लंबे समय से मिनी स्टेडियम दुर्दशा का शिकार हो रहा है। इस खेल मैदान में यहीं लगने वाले स्कूल की छात्राएं रोज शाम को हाकी खेलती हैं तो रविवार को युवा टीमे क्रिकेट मैच खेलती हैं। किंतु मैदान की दुर्दशा की ओर जिम्मेदारो का ध्यान नहीं है।

विचार-मंथन

आतंक के गढ़ पाकिस्तान में हुआ खूनी खेल...

यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि आतंकवाद दुनिया भर के लिए एक बड़ी चुनौती है और इससे पीड़ित देशों की सीमाएं नहीं रह गई लगती हैं। इस समस्या ने कई अलग-अलग शक्ल अख्तियार कर लिए हैं और निशाने पर लिए गए देश में हमला करके निर्दोष लोगों की हत्या करने में आतंकियों को जरा भी हिचक नहीं होती। भारत पिछले कई दशक से इस जटिल समस्या का सामना कर रहा है। कई बार बड़े और घातक आतंकी हमलों में बड़ा नुकसान उठाने के समांतर भारत ने बहुत सख्ती से आतंकवाद से मोर्चा भी लिया है। हर थोड़े दिनों के अंतराल के बाद जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ में आतंकियों के मारे जाने की घटनाएं बताती हैं कि भारत किस तरह की चुनौती से जूझ रहा है। आज भी हालत यह है कि आए दिन कश्मीर में आतंकी हमले होते रहते हैं और उनमें आम लोगों और सुरक्षा बलों के जवानों की जान चली जाती है। सवाल है इस तरह आतंकी तत्वों को संरक्षण कौन देता है? किसे इस बात से संतोष मिलता दिखता है कि भारत को आतंकवाद की समस्या का जाल में फंसा कर रखा जाए, ताकि उसे अन्य मोर्चों पर अपनी संगठित ऊर्जा लगाने का मौका न मिले। यह जगजाहिर रहा है कि भारत में और खासतौर पर जम्मू-कश्मीर के इलाके में जितने भी आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं, आमतौर पर वे पाकिस्तान स्थित ठिकानों से संचालित होते हैं। कुछ वर्ष पहले बेजिंग में हुए ब्रिक्स बैठक के घोषणापत्र में अपनी सीमा में आतंकवादी संगठनों को पनाह देने के लिए पाकिस्तान को कठघरे में भी खड़ा किया गया था। एक ओर पाकिस्तान अपनी सीमा में ऐसे ठिकानों को ध्वस्त करने और आतंकी संगठनों के खात्मे में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाता है और दूसरी ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति और बातचीत की दुहाई भी देता है। यह स्थिति तब भी बनी हुई है जब खुद पाकिस्तान में भी आम लोग आए दिन बड़े आतंकी हमलों का शिकार होते रहते हैं। गुरुवार को भी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हुए आतंकी हमले में कम से कम पचास लोगों के मारे जाने और कइयों के घायल होने की खबर आई। इसी तरह के दोहरे रवैये से आतंकवाद की समस्या से निपटने के उसके दिखावे का पता चलता है, जिसका खमियाजा खुद उसे भी उठाना पड़ता है। हालांकि भारत ने अपनी ओर से पाकिस्तान के सामने बातचीत के जरिए समस्याओं के निपटाने का दरवाजा खुला रखा, इसके बावजूद पाकिस्तान के रुख में कोई बदलाव नहीं आया। इसलिए अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने ठीक ही कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत में पहला मुद्दा आतंकवाद पर रोक लगाना है। यों भी, आतंकवाद के प्रति भारत की नीति स्पष्ट रही है कि वह इसे किसी भी रूप में बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा। इसकी वजह यही रही है कि भारत लंबे समय से सीमापार से जारी और इसके अलावा भी वैश्विक आतंकवाद का शिकार रहा है। मुंबई और पुलवामा में हुए आतंकी हमलों की तरह की बड़ी घटनाओं के अलावा यह समस्या भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग इलाके में जिस तरह लक्षित आतंकी हमलों का सिलसिला बढ़ गया है, उसके स्रोत और कारण को समझना मुश्किल नहीं है। विडंबना यह है कि अनेक मौके पर अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से आतंकवाद के मसले पर फटकार सुनने के बावजूद पाकिस्तान को अपनी भूमिका में सुधार लाने की जरूरत महसूस नहीं होती।

जानलेवा वायु प्रदूषण से आखिर कब मिलेगी मुक्ति!

दीपक कुमार त्यागी

लोग अब भी निर्माण कार्य के लिए खुले में ही निर्माण सामग्री डाल रहे हैं। सरकारी तंत्र की लापरवाही से टूटी हुई सड़कों पर धूल का गुब्बार उड़ाते हुए वाहन चलने के लिए मजबूर हैं। कुछ फैक्ट्रियों की चिमनी से अब भी बेखौफ होकर के धुंआ निकल रहा है। अब भी लोग बेखौफ होकर के डीजल जनरेटर चला रहे हैं। ढाबे, रेस्टोरेंट, फार्महाउस व बैंकेट हॉल आदि में खुलेआम तंदूर चला रहे हैं। कुछ लोग कूड़े का उचित निस्तारण ना करके सड़क किनारे खुलेआम कूड़ा जला रहे हैं। सड़कों पर वाहन अपनी मियाद समाप्त होने का बाद भी चल रहे हैं। कुछ प्रतिबंधित वाहन बेखौफ होकर चल रहे हैं। जिस लापरवाही पूर्ण स्थिति के चलते हुए एकबार फिर से वायु प्रदूषण से दिल्ली-एनसीआर में स्थिति बेहद गंभीर बनती जा रही है। हालांकि इस पूरे क्षेत्र में जल, थल व नभ तरह-तरह के प्रदूषण से जूझ रहे हैं। लोगों के पास पीने के लिए ना तो स्वच्छ पेयजल है, ना ही सांस लेने के लिए स्वच्छ वायु है, ना ही लोगों के पास खाने के लिए स्वच्छ गुणवत्ता पूर्ण शुद्ध आहार उपलब्ध है, वहीं इस क्षेत्र में रही-सही कसर समय-समय पर कानफोड़ू ध्वनि प्रदूषण पूरी कर देता है। लेकिन चिंता जनक बात यह है कि पिछले वर्ष भी जहरीले वायु प्रदूषण के चलते नवंबर माह के शुरुआती दिनों में ही यह पूरा क्षेत्र भयावह रूप से जहरीले गैसों के चैंबर में तब्दील हो गया था, फिर भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। इस क्षेत्र में जहरीले वायु के प्रदूषण के नियंत्रण के

नाम पर दिल्ली, पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश आदि राज्य एक दूसरे को जिम्मेदार ठहरा कर के अपने कर्तव्यों की कागजी खानापूर्ति हर वर्ष बखूबी से कर लेते हैं। पिछले वर्ष भी वायु प्रदूषण के इस मसले पर सर्वोच्च न्यायालय ने संज्ञान लिया और न्यायालय की सख्त फटकार के बाद राज्य सरकारों का सिस्टम फाइलों से निकल करके वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए धरातल पर कुछ सक्रिय हुआ था, लेकिन इस वर्ष लोगों को उम्मीद थी कि पिछले वर्ष की न्यायालय की जबरदस्त फटकार का धरातल पर कुछ तो असर हुआ होगा, इस क्षेत्र के लोगों के अनमोल जीवन को वायु प्रदूषण से बचाने के लिए कुछ तो ठोस कार्य धरातल पर बीते एक वर्ष में संपन्न हुए होंगे, लेकिन अफसोस की बात यह है कि इस वर्ष भी जहरीले वायु प्रदूषण की स्थिति वहीं बनी हुई है, जहरीले वायु प्रदूषण के चलते इस क्षेत्र के लोगों की सांसों पर भयावह आपातकाल लगा हुआ है। अस्पतालों में वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव से जनित रोगों से पीड़ित रोगियों की बाढ़ आई हुई है, लोग असमय काल का ग्रास बन रहे हैं और देश व राज्यों के कर्ताधर्ता इसके लिए जिम्मेदार सिस्टम को समय रहते सख्ती से दिशा-निर्देश देने की जगह उसको भगवान भरोसे छोड़कर के चुनावों में विजय हासिल करने के प्रयासों में मस्त हैं। इस वर्ष भी पूरे क्षेत्र में दिपावली पर सर्वोच्च न्यायालय के पटाखे बेचने व छोड़ने पर रोक होने के आदेश के बावजूद भी सिस्टम के मूकदर्शक बने रहने के चलते ही जमकर के पटाखे बेचने व छोड़ने का काम हुआ। लोगों की नादानी ने अपने आप ही जहरीले वायु प्रदूषण को न्योता देने का कार्य बखूबी किया था। जिसके चलते दीपावली के बाद एकबार फिर से दिल्ली-एनसीआर के क्षेत्र में वायु प्रदूषण का स्तर बहुत तेजी से खराब हो गया है। वायु प्रदूषण को दर्शाने वाला एक्यूआई का इंडेक्स 500-600 तक पहुंचकर के दिल्ली-एनसीआर में लोगों के जीवन को तरह-तरह के रोगों से ग्रस्त करके लीलने का कार्य कर रहा है। अगर समय रहते इस वर्ष भी सर्वोच्च न्यायालय सख्ती ना दिखाए तो पिछले वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी एक्यूआई अपने ही पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त करने में व्यस्त नजर आता। हालांकि इस वर्ष तो इस क्षेत्र की जनता पराली जलाने के मौसम से पहले व दीपावली के पहले से ही वायु प्रदूषण से बार-बार परेशान हो रही थी, फिर भी हमारे सिस्टम ने सर्दियों में गंभीर वायु प्रदूषण ना हो उसके लिए कोई ठोस तैयारी धरातल पर नहीं की है, जिसका परिणाम अब एकबार फिर से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र गैस चैंबर बनने के रूप में सबके सामने है। आज विचारणीय तथ्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों से बढ़ते हुए वायु प्रदूषण ने दिल्ली-एनसीआर के क्षेत्र को बार-बार गैस चैंबर बनाकर के रख दिया है, जो स्थिति लोगों व जीव-जंतुओं आदि सभी के जीवन के लिए बेहद घातक है। अब तो वायु प्रदूषण लोगों का अनमोल जीवन लीलने लग गया है। इस क्षेत्र में वायु प्रदूषण की इस भयावह स्थिति पर चिकित्सक कहते हैं कि - दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के चलते अब बेहद गंभीर प्रकृति की स्वास्थ्य समस्याओं का जबरदस्त जोखिम बना हुआ है। वायु प्रदूषण के चलते अब बच्चे, नौजवान, बुजुर्गों में तरह-तरह की स्वास्थ्य समस्याएं स्पष्ट नजर आने लग गयी हैं। लोगों में सिरदर्द, चिंता, चिड़चिड़ापन, सांस संबंधी समस्याएं तेजी से काफी बढ़ गई हैं। लोगों की आंखों में तेज जलन, आंखों से पानी बहना, सांस लेने की दिक्कत व सांस फूलने की दिक्कत आदि की समस्याएं आम होती जा रही हैं। अगर वायु प्रदूषण की यह स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो सांसों पर लगा यह आपातकाल आने वाले दिनों में लोगों के लिए बेहद ही खतरनाक साबित हो सकता है, लोगों को गंभीर प्रकृति के वायु प्रदूषण की वजह से तरह-तरह की स्वास्थ्य समस्या का सामना करना पड़ सकता है, अस्थमा, काला दमा, रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल, ह्रदय रोग, लोगों का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, लोगों में बेचैनी की समस्या बढ़ सकती है, लोगों को गंभीर तंत्रिका तंत्र की समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। जिस तरह से लोगों के बीच सांस संबंधित रोग तेजी से बढ़ रहे हैं, फेफड़ों का कैंसर तेजी से बढ़ता जा रहा है, तरह-तरह के गंभीर रोग लोगों के बीच तेजी से पैर पसार रहे हैं, उस स्थिति के लिए कहीं ना कहीं यह वायु प्रदूषण भी जिम्मेदार है। लेकिन अफसोस हम और हमारा सिस्टम अब भी तमाशबीन बनकर के केवल तमाशा देख रहे हैं?, वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कारगर रणनीति बनाकर के उसको धरातल पर अमलीजामा पहनाने में ना नुकर कर रहे है। चिंताजनक बात यह है कि जहरीले वायु प्रदूषण के इस तरह के हाल पर शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट द्वारा संकलित किये गये आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के लोग जिस खराब गुणवत्ता वाली वायु में सांस लेते हैं, उसके चलते इन लोगों का जीवन 11.9 वर्ष तक कम हो सकता है और अगर वायु प्रदूषण की यह स्थिति निरंतर इस तरह ही बनी रही, तो वर्ष दर वर्ष लोगों के जीवन पर यह खतरा बढ़ता ही जा रहा है।

नकारात्मक विचारों की जड़ है ऊबन...

हरीशचंद्र पांडे

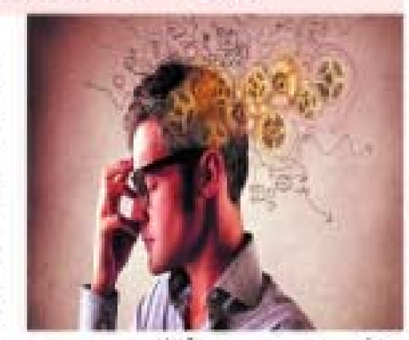

कुछ समय पहले एक खबर आई थी कि एक तकनीकी संस्थान में काम करने वाला नौजवान कभी-कभार सड़क पर आटो चलाता है। उसके अनुसार, ऐसा वह अपनी बेचैनी और ऊब को कम करने के लिए करता है और खुशी-खुशी आटो चलाता है, सवारी को भी गंतव्य तक पहुंचाता है। ऊब होने और उससे लड़ने का यह मनोभाव सचमुच अलग और विचारणीय है। आखिर मन को इतनी ऊब किसलिए होने लगती है? यह टालने या नजरअंदाज कर देने की बात नहीं है। मनोचिकित्सकों का कहना है कि अचानक ही हर चीज से मन का उचट-सा जाना इन दिनों एक सामान्य बात हो रही है। ऐसा लगभग हर किसी के साथ होता है। इन दिनों कुछ लोग अपनी दिनचर्या से इतने परेशान हो रहे हैं कि उनको हर बात से अरुचि-सी होने लगी है। जब भी कोई चर्चा की जाए तो अधिकांश का जवाब यही होता है कि सुबह चाय और काफी गटक ली, नहाया, नाश्ता हो गया, वेब सीरीज देख ली, फोन लेकर सारे सोशल मीडिया के मंच पर जाकर दुनियाभर की चीजें देख लीं, अब मन अजीब हो रहा है।इसका कारण साफ लगता है। हमको एक ही बटन दबाने से सौ चैनल मिल रहे हैं। कुछ खरीदना है तो एक पल में सौ तरह की दुकान, सौ तरह का सामान हाजिर। इससे होता यह है कि यह मन बावला होने और भटकने लगता है। इसीलिए मन को झुंझलाहट होती है। जरूरत से अधिक मनोरंजन और सुख-सुविधा भी मन को उचाट कर देती है। सुकरात ने कहा था कि अति हमेशा दुख देती है। कोई चीज जरूरत से अधिक मिल जाती है तो वह खुशी नहीं, बेचैनी देती है। यों मन का उचाट हो जाना उनके साथ भी अधिक होता है, जो लोग जीवन में कुछ करने की ख्वाहिश रखते हैं, मगर वहां तक नहीं पहुंच पाते, जहां पहुंचना है। तब उनको भी ऊब तथा बेचैनी होने लगती है। अमेरिका के एक प्रसिद्ध लेखक मार्क ट्वेन ने भी कहा था कि खुश मानव के दो दुश्मन उदासी और बोरियत होते हैं। मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड के शिष्य मनोचिकित्सक ओटो फेनीशेल ने उनके साथ मिलकर इस ऊब और बोरियत पर अनगिनत प्रयोग किए थे। ओटो फेनीशेल बोरियत के विस्तारित सिद्धांत को विकसित करने वाले पहले मनोविश्लेषकों में से एक थे। उनका मानना था कि सामान्य बोरियत तब पैदा होती है जब हम वह नहीं कर सकते जो हम करना चाहते हैं या जब हम कुछ ऐसा करते हैं, जो हम नहीं करना चाहते हैं। दोनों ही स्थितियों में, कुछ अपेक्षित या वांछित नहीं होता है। यहां हमें खुद पर गौर करने की आवश्यकता होती है। जरा-सा खुद पर विचार हमको बोरियत की जड़ तक ले आता है। तब समाधान भी मिलता है। कई बार जो ऊब जैसा लगता है, वह वास्तव में उस कार्य से बचने का बहाना होता है, जिसे हम करना ही नहीं चाहते। हालांकि यह भी सच है कि बोरियत से उसी प्रकार की मानसिक थकान होती है जैसे निरंतर एकाग्रता वाले कामों में होती है। कभी-कभी ऊब महसूस होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। ऊबना नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति अवसाद में भी जा सकता है। लगातार एक जैसा काम करने पर एक स्थिति यह आती है कि हम अपना काम कर ही नहीं पाते और इसके कारण अन्य कामों में मन नहीं लगता। तब भी हमको ऊब होने लगती है। मनोवैज्ञानिक अध्ययनों में भी यह पाया गया है कि ऊब महसूस करने की मानसिक स्थिति का जन्म बहुत छोटी उम्र से हो जाता है और अप्रिय लगने के बावजूद यह सीखना आवश्यक है कि रचनात्मक और उत्साह से कैसे रहें। ऊबने या बोरियत से कुछ मनोभाव सीधे-सीधे जुड़े हैं। मिसाल के तौर पर झुंझलाहट, बिखराव, अकेलापन, क्रोध, दुख और चिंता आदि। लगातार ऊबते रहने वाले व्यक्ति ज्यादा खाते हैं। मादक पदार्थों के सेवन सहित धूम्रपान और अपराध जैसे दुर्गुणों के बढ़ने की आशंका भी रहती है। अगर कोई ऊब रहा है तो एक बार एकांत में बैठकर उसे खुद को परिभाषित करना चाहिए। यह सोचना चाहिए कि उसे सबसे अच्छा क्या लगता है। यानी खुद को अच्छे लगने वाले कामों की पहचान करने की जरूरत है।

बसपा के लिये एक बार फिर बुरा सपना तो साबित नहीं होंगे उप चुनाव

मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में कई जगह पुलिस और वोटरों के बीच नोकझोंक होते दिखी। यहां मुकाबला बीजेपी समर्थित रालोद प्रत्याशी मिथलेश पाल और सपा प्रत्याशी सुम्बुल राना के बीच सिमटता हुआ नजर आया। उत्तर प्रदेश में हुए उपचुनाव में भाजपा और समाजवादी पार्टी में किसको कितनी सीटें मिलेंगी,इसको लेकर तो चर्चा हो सकती है,परंतु उप चुनाव मे जिस तरह का मतदान देखने को मिला उससे यही लगता है कि बहुजन समाज पार्टी एक बार फिर हासिये पर ही खड़ी नजर आई। किसी भी सीट पर बसपा फाइट करती नहीं दिखी। बसपा सुप्रीमो मायावती के लिये लगता है अब आगे की राह आसान नहीं रह गई है। इसका मुख्य कारण यह भी है कि बसपा का कोर वोटर कहलाने वाले दलितों ने अब भाजपा-सपा के रूप में अपनी नहीं मंजिल चुन ली है।इसी वजह से कमोबेश सभी जगह बसपा मुख्य लड़ाई से गायब दिखी, जिसके चलते भाजपा और सपा सीधी लड़ाई में आ गए हैं। बसपा की तरह ही चन्द्रशेखर आजाद की आजाद पार्टी भी कोई गुल खिलाते नहीं दिखी है। कई सीटों पर दलित मतदाता मुख्य रूप से भाजपा-सपा के बीच बंटे हुए दिखाई दिए, जिसने बीजेपी-सपा के जीत के आकड़े को थोड़ा उलझा दिया है, जिसके पक्ष में दलित मतदाता ज्यादा जायेंगे, परिणाम उसी के पक्ष में रहेगा। सबसे बड़ी बात यह रही कि मुरादाबाद की मुस्लिम बाहुल्य कुंदरकी में भाजपा मुस्लिम मतों में सेंध लगाते हुए दिखी, जिसे काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है। उधर, कानपुर की सीसामऊ में सपा और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर होने को अनुमान है। यहां के करीब 5.0 मतदान केंद्रों में से आधे से ज्यादा में बसपा प्रत्याशी का बस्ता नहीं दिखा। समाजवादी पार्टी के गढ़ मैनपुरी के करहल उपचुनाव में मतदान से पहले की स्थिति कुछ और थी। तब मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा था। संभावना थी कि बसपा प्रत्याशी अमित वर्मा अपने सजातीय मतों में सेंधमारी कर सपा को तगड़ी चोट देंगे, लेकिन मतदान के दौरान ऐसा प्रतीत नहीं हुआ। अंत में भाजपा के धर्मराज निषाद और सपा की शोभावती वर्मा के बीच ही सीधा मुकाबला दिखा। हां, बसपा का प्रदर्शन कमल व साइकिल का संतुलन बिगाड़ सकता है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार बसपा ने अपने पारंपरिक वोटों के साथ ही जातिगत समीकरण को साधा तो सपा का गणित बिगड़ सकता है।यहां सीधा मुकाबला सपा प्रत्याशी तेजप्रताप यादव और भाजपा प्रत्याशी अनुजेश सिंह में रहा। मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में कई जगह पुलिस और वोटरों के बीच नोकझोंक होते दिखी। यहां मुकाबला बीजेपी समर्थित रालोद प्रत्याशी मिथलेश पाल और सपा प्रत्याशी सुम्बुल राना के बीच सिमटता हुआ नजर आया। बसपा और आसपा प्रत्याशियों के बीच तीसरे नंबर की लड़ाई दिखी। मुस्लिम मतों की अधिकता वाले गांव के मत प्रतिशत से नतीजे तय होने के आसार बन गए हैं।अति पिछड़ा वर्ग और जाट मतों की अधिकता वाले गांव में रालोद प्रत्याशी के पक्ष में रुझान नजर आया। भोकरहेड़ी, करहेड़ा, बेलड़ा समेत अन्य गांवों में रालोद प्रत्याशी के पक्ष में मतदाताओं की लामबंदी दिखी। मुस्लिम मतों की अधिकता वाले ककरौली, सीकरी, मीरापुर, जटवाड़ा, जौली में सुबह मुस्लिम मतदाता सपा, बसपा और आसपा के बीच बंटते नजर आए। ककरौली में पथराव के बाद मुस्लिम मतों की लामबंदी सपा प्रत्याशी के समर्थन में अधिक दिखी। मीरापुर में अनुसूचित जाति के मतदाताओं में बिखराव नजर आया। युवाओं ने आसपा को तरजीह दी, जबकि अन्य मतदाताओं की पहली पसंद बसपा नजर आई। गुर्जरों के मतों के बंटवारे पर भी सबकी निगाह बनी हुई है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणाम...

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5427

3	2		8		5		7	
		7						3
	1	5	7					
		2					3	1
	4		3	9	1		5	
1	5					8		
					7	3	4	
8						9		
	3		1		4		6	7

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5426

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 5427

संकेत: बाएं से दाएं

1. 25 अगस्त 1957 को इस देश की सरकार ने देश में घोषित आपातकाल के 30 वर्ष बाद वापस लिया (3)
4. दोनों हाथों से तीर चला लेने के कारण अर्जुन का एक नाम (4)
7. [illegible] (3)
8. [illegible] (2)
9. [illegible] (4)
11. उर्दू या फारसी में [illegible] (3)
13. सिपाही, सैनिक (3)
15. दो की संख्या, [illegible] (2)
16. [illegible] (3)
17. [illegible] (उर्दू) (3)
19. उत्तरप्रदेश की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (सिर्फ आरंभिक नाम) (2)
20. आकाश से गिरने वाली बिजली (2)
21. [illegible] (3)
22. पवित्र, मंगलकारक, शुभ (2)
23. [illegible] (उर्दू) (3)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] (7)
2. [illegible] वाली रेखा (2)
3. उत्तरप्रदेश का गंगा तट पर बसा यह नगर [illegible] के कारण भी प्रसिद्ध है (4)
4. दंड देना, शिक्षा या नसीहत देना (6)
5. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
6. यह विश्व का प्रथम देश है जिसने मुद्रा का प्रचलन किया (2)
10. [illegible] (3)
12. [illegible] (3)
14. [illegible], आने-जाने का साधन (4)
18. [illegible] (3)
19. [illegible] मध्यप्रदेश के इस [illegible] में स्थित है (3)
21. दुर्गंध, दुर्गति (2)

वर्ग पहेली 5426 का हल

ह	ब	गु	क		शु	ग	ल
म		मा	ग	धी	ग		हि
प	रु	र		फ		ना	दा
टि			हा	मि	दा	न	
ह	ला	री		नि		ना	ही
मा	ग		ड	हट	र		है
न		प्र	सा	र		मा	घ
ल	छवि		र		स	ह	ज

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-3-6-7

वृषभ : [illegible] शुभांक-2-5-7

मिथुन : [illegible] शुभांक-2-5-6

कर्क : [illegible] शुभांक-1-4-6

सिंह : [illegible] शुभांक-2-4-6

कन्या : [illegible] शुभांक-3-5-8

तुला : [illegible] शुभांक-3-5-8

वृश्चिक : [illegible] शुभांक-1-3-5

धनु : [illegible] शुभांक-5-7-9

मकर : [illegible] शुभांक-1-4-8

कुंभ : [illegible] शुभांक-1-9-8

मीन : [illegible] शुभांक-5-7-9

विधिक सेवा प्राधिकरण एवं गनेडीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट ने आयोजित किया...

ई-ट्राईसाईकल एवं ई-रिक्शा कार्यक्रम

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। धनबल बहुत लोगों के पास होता है लेकिन परोपकार करने की भावना दिल से होती है। पैसा हो या नहीं इससे फर्क नहीं पड़ता है लेकिन भावना से किया गया परोपकार ही मायने रखता है। उक्त उद्गार आज प्रदेश के उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति माननीय श्री सुबोध अभ्यंकर ने मन्दसौर में आयोजित विधिक सेवा प्राधिकरण मन्दसौर एवं गनेड़ीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट ने संयुक्त रुप से दिव्यांगजन हेतु ई-ट्राईसाईकल एवं विधवा व परित्यक्ता महिला हेतु ई-रिक्शा वितरण कार्यक्रम में व्यक्त किये। माननीय न्यायाधिपति श्री अभ्यंकर ने कहा कि मानव सेवा के लिए जो काम गनेड़ीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमेन श्री प्रदीप गनेड़ीवाल कर रहे हैं वह परोपकार की भावना समाज को नई दिशा में ले जाएगी।

मन्दसौर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायाधिपति श्री सुबोध अभ्यंकर, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, इन्दौर, माननीय न्यायाधीश श्री कपिल मेहता, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मन्दसौर, श्रीमती अदिती गर्ग, कलेक्टर, मन्दसौर, श्री अभिषेक आनन्द, पुलिस अधीक्षक, मन्दसौर एवं गनेड़ीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमेन श्री प्रदीप जी गनेड़ीवाल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई तत्पश्चात् अतिथियों का स्वागत गनेड़ीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के स्मृति चिन्ह देकर किया गया। अतिथियों का स्वागत उद्बोधन ट्रस्ट के चेयरमेन श्री प्रदीप गनेड़ीवाल द्वारा दिया गया जिसमें उन्होंने ट्रस्ट की गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त उद्बोधन दिया और सभी अतिथियों के आगमन पर धन्यवाद प्रेषित किया। इस अवसर पर माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश श्री कपिल मेहता ने अपने उद्बोधन में ट्रस्ट के कार्य को सराहा। कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज न्याय, समाज और मानवता का संगम हुआ है। सभी अगर मिलकर कार्य करें तो ही समाज का उत्थान सम्भव है। श्रीमती गर्ग ने गनेड़ीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा महिला सशक्तिकरण के जो कार्यक्रम चल रहे हैं उसकी प्रशंसा की। पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद ने भी अपने उद्बोधन में ट्रस्ट की गतिविधियों की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में 20 दिव्यांगों को ई-ट्राईसाईकल एवं 12 ई-रिक्शा हितग्राहियों को माननीय न्यायमूर्ति श्री सुबोध अभ्यंकर के कर कमलों द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम में मन्दसौर न्याय विभाग के सभी न्यायाधीश उपस्थित रहे साथ ही वात्सल्य पब्लिक स्कूल परिवार एवं 71 ई-रिक्शा चालक महिलाएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ई-रिक्शा की महिला चालकों से माननीय न्यायमूर्ति ने उनके अनुभव पूछे और क्या-क्या दिक्कतें आती हैं, उसके बारे में जाना। मंच संचालन वात्सल्य पब्लिक स्कूल की शिक्षिकाओं द्वारा किया गया एवं आभार ट्रस्ट के पदाधिकारी द्वारा व्यक्त किया गया।

युवक ने की आत्महत्या, परिजनों ने किया चक्काजाम

आत्महत्या पूर्व युवक ने सुसाइड नोट में लिखे आत्महत्या के लिये जिम्मेदारों के नाम, नगर परिषद को भी ठहराया दोषी, सीएमओ ने कहा पात्रता अनुसार परिजनों को मिलेगी राशि

पिपलियामंडी, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नारायणगढ़ में रविवार को सुबह एक मटन व्यवसायी ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। घटना से आक्रोशित परिजनों ने पिपलियामंडी - मनासा मार्ग पर जाम लगा दिया। थाना इंचार्ज मनोज गर्ग ने आश्वासन दिया कि युवक की आत्महत्या के जिम्मेदार दोषियों पर कार्रवाई होगी, उसके बाद जाम खोला गया। जानकारी के अनुसार मटन व्यवसाय अनीश पिता अब्दुल अजीज कुरैशी ने रविवार सुबह जहरीला पदार्थ खा लिया। आत्महत्या से पूर्व युवक ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ जिसमें लिखा कि दो माह पूर्व नगर परिषद ने उसकी मटन की शॉप सील कर दी थी। इससे वह काफी परेशान था। सुसाइड नोट में युवक ने नीमच निवासी हाजी यूसुफ इमरान आमलीखेड़ा निवासी मदन, हमीद लाला, गोपाल सन्यासी आदि के अलावा कुछ लोगो के मोबाइल नम्बर लिखे व इन्हें आत्महत्या का जिम्मेदार बताया। जहरीला पदार्थ खाने के बाद युवक को परिजन मन्दसौर जिला अस्पताल ले गए, जहां युवक ने दम तोड़ दिया। आक्रोशित परिजन युवक का शव लेकर नारायणगढ़ समिति चौराहे पहुँचे। यहाँ शव रखकर प्रदर्शन किया। सूचना पर नारायणगढ़, मल्हारगढ़ पिपलियामंडी पुलिस बल मोके पहुँचा। थाना इंचार्ज मनोज गर्ग ने परिजनों को न्याय का आश्वासन देकर जाम खुलवाया।

बाद में सीएमओ प्रमोद जैन ने युवक के घर पहुँचकर पात्रता अनुसार मदद करने की बात भी कही। नारायणगढ़ थाना प्रभारी को सोंपे ज्ञापन में परिजन शबनम बी पति अनीस कुरेशी, हसीब पिता अजीज कुरेशी, शाहीद पिता सलीम कुरेशी, जुबेर पिता सलीम कुरेशी, शकिल पिता अब्दुल गफूर कुरेशी, अकिल पिता अब्दुल गफूर कुरेशी, निवासी नारायणगढ़, एवं आबीद पिता कल्लु खा कुरेशी निवासी पहेड़ा मगरा ने बताया कि अनीस कुरेशी पिता अब्दुल अजीज कुरेशी निवासी नारायणगढ़ ने सुबह घर पर आत्महत्या कर ली तथा आत्महत्या का कारण व सुसाइड में आरोपीगण सीएमओ प्रदीप जैन, राहुलसिंह, पार्षद जगदीश माली, जोगनी मोबाइल नंबर 8982969897, 7389706197 हाजी युसुफ, इरफान नीमच को बताया। यह भी बताया मदन, भेरूबा निवासी आमली खेडा ने गाडी छिन ली थी वही हमीद लाला, गोपाल सन्यासी से 2 लाख रूपये खेत के लेना बताया। इसके अलावा भानेज जोगनी के मो. नंबर 9575434550 इन सभी आरोपियो को आत्महत्या का जिम्मेदार बताया। ज्ञापन में बताया कि अनीश को बार बार मानसिक प्रताडना दी जा रही थी। आरोपियों से अनीश ने कई बार हाथ जोडे व निवेदन किया कि मुझे परेशान मत करो, नहीं तो मै आत्महत्या कर लुगा, फिर भी इन लोगो ने परेशान करना बंद नहीं किया। इस कारण अनीश ने आमहत्या कर ली। ज्ञापन में यह भी बताया को अनीश की मटन की दुकान को 3 माह से नगर परिषद द्वारा सील कर दिया था तथा बिना किसी दोष के फारूख कुरेशी पिता अकील कुरेशी व जुबेर कुरेशी पिता सलीम कुरेशी को जेल भेज दिया गया। इसी कारण वह परेशान था।

वीडियो वायरल, युवती ने कराया युवक के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज

पिपलियामंडी, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर की एक युवती ने एक युवक के खिलाफ छेड़छाड़ का प्रकरण दर्ज करवाया। बताया गया की युवक व युवती के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद युवती ने इसकी पुलिस में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार युवती ने पुलिस को बताया कि युवक रेलवे कॉलोनी निवासी तरुण पिता किशोर ने उसके साथ छेड़छाड़ की। टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे कोर्ट के आदेश पर जैल भेज दिया गया है।

नपा द्वारा आयोजित मेले में सड़क पर बैठकर व घूम कर व्यापार करने वाले...

छोटे व्यापारियों से वसूली को रोका जाए

पार्षद व मेला समिति सदस्य संगीता शैलेन्द्रगिरी गोस्वामी ने नपाध्यक्ष से की मांग

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पार्षद एवं मेला समिति सदस्य संगीता शैलेन्द्रगिरी गोस्वामी ने नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर से निवेदन किया है कि मेला परिसर में छोटे व्यापारी जो सड़क पर खड़े होकर या मेले में घूमते हुए अपना व्यापार करते है उनके द्वारा नगरपालिका द्वारा जो 10/- रू. प्रतिदिन की रसीद काटी जा रही है उसे रोका जाये।

श्रीमती गोस्वामी ने बताया छोटे व्यापारी जिन्हें रेल्वे पटरी व्यापारी भी कहा जाता है उनसे नगरपालिका द्वारा वसूली के लिये मुख्यमंत्री ने बंद करने का आदेश दिया है लेकिन नगरपालिका मंदसौर द्वारा मुख्यमंत्री के आदेश का उल्लंघन करते हुए छोटे व्यापारी को परेशान किया जा रहा है एवं वसूली की जा रही है। जबकि ये व्यापारी बमुश्किल व्यापार कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे है। श्रीमती गोस्वामी ने कहा कि मेले में ऐसा भी देखा गया है कि जो छोटा व्यापारी घूमकर व्यापार करता है उससे नगरपालिका के कर्मचारी दो-तीन बार वसूली कर लेते है तथा उनसे अभद्र व्यवहार भी करते है। लाचार व्यापारी ठगा सा महसूस कर रहे है। श्रीमती गोस्वामी ने कहा कि मेले में भूखण्ड आवंटित करने से नगरपालिका के पास व्यापक स्तर पर राजस्व की प्राप्ति हुई है उसके बावजूद सड़क पर व्यापार करने वाली छोटे व निर्धन व्यापारियों को तो बख्स देना चाहिये। इस मामले में सीएमओ सुधीर कुमार सिंह एवं मेला अधिकारी पीएस धारवे को स्थिति से अवगत कराया गया है। श्रीमती गोस्वामी ने नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर एवं मेला समिति अध्यक्ष भावना पमनानी का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए निवेदन किया है कि मेला परिसर में सड़क पर एवं घूम फिरकर व्यापार करने वाले छोटे व्यापारियों से वसूली को रोका जाये।

गीता भवन में सात दिवसीय 52वां गीता जयंती महोत्सव एवं 49वां नेत्र शिविर अगले माह

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। 52वां गीता जयंती महोत्सव एवं 49वां नेत्र शिविर धर्मधाम गीता भवन में 17 दिसम्बर से 23 दिसम्बर 2024 तक मनाया जावेगा। सात दिवसीय गीता जयंती महोत्सव अन्त. रामस्नेही सम्प्रदाय के प्रधान पीठाधीश्वर श्रीमद् जगतगुरु स्वामी श्री रामदयालजी महाराज शुभारंभ करेंगे एवं गीता ज्ञान एवं जम्बूसर कथा पर ज्ञान गंगा प्रवाहित करेंगे। उपरोक्त जानकारी धर्मधाम गीता भवन के सचिव अशोक त्रिपाठी ने गीता भवन में आयोजित गीता भवन ट्रस्ट एवं गीता भवन परिवार के सदस्यों की सार्वजनिक बैठक में दी।

गीता भवन के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी श्री रामनिवासजी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में श्री रामनिवासजी महाराज ने कहा कि गीता जयंती महोत्सव एवं नेत्र शिविर का लाभ क्षेत्रवासियों को मिले इसके लिये व्यापक प्रचार प्रसार किया जाना चाहिये एवं इस संबंध में सभी के सुझाव आमंत्रित है। इस अवसर पर गीता भवन परिवर के विशेष आमंत्रित सदस्य पं. ब्रजेश जोशी ने सुझाव दिया कि श्रीमद् भागवत गीता में मानव जीवन के सभी वर्ग, समुदाय एवं आम लोगों को समस्याओं का समाधान है अत: प्रत्येक दिन अलग-अलग वर्ग के लिये जैसे एक दिन विद्यार्थियों के लिये एवं एक दिन डॉक्टरों के लिये, एक दिन नारी शक्ति के संदर्भ में तथा एक दिन युवा वर्ग के लिये आचार्य श्री इनके महत्व को प्रतिपादित करें। इसमें विद्यालय के विद्यार्थियों को लाने का दायित्व डॉ. रविन्द्र पाण्डे को दिया गया। विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण गुप्ता को डॉक्टरों से सम्पर्क कर दिन निश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई इसी तरह डॉ. घनश्याम बटवाल एवं पं. ब्रजेश जोशी मीडिया का दायित्व संभालेंगे। नेत्र शिविर के अलावा एक दिन सर्वरोग निदान शिविर आयोजित करने के प्रयास किये जा रहे है। डॉ. दिनेश तिवारी को गीता ज्ञान प्रतियोगिता का संयोजक बनाया गया है। एक दिन गीता ज्ञान प्रतियोगिता होगी।

इस अवसर पर गीता भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष स्वामी श्री रामनिवासजी महाराज, संरक्षक ट्रस्टी श्री नरेन्द्र नाहटा, उपाध्यक्ष श्री जगदीश चौधरी, सचिव अशोक त्रिपाठी, ट्रस्टी बंशीलाल टांक, विनोद चौबे तथा शेषनारायण माली के अलावा विशेष आमंत्रित सदस्य डॉ. घनश्याम बटवाल, ब्रजेश जोशी, ओम चौधरी, सुभाष अग्रवाल, सूरजमल गर्ग चाचाजी, डॉ. रविन्द्र पाण्डे, डॉ. प्रवीण मण्डलोई, डॉ. दिनेश तिवारी, नवनीत

मोहनलाल पारीख, शुभम बैरागी, अमन फरक्या, सत्यनारायण सोमानी, राजेश विजयवर्गीय, रजनीश पुरोहित, पुजारी गीता भवन पं. अभिषेक शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। गीता भवन मातृशक्ति संरक्षिका ज्योतिषज्ञ दीदी लाडकुंवर के नेतृत्व में महिला मण्डल सदस्या अंजू तिवारी, चन्द्रकांत मारोठिया, पूजा बैरागी, रानू विजयवर्गीय, पुष्पा माली, सुधा फरक्या, कृष्णा बैरागी, अयोध्या बैरागी, प्रेमलता आचार्य, अनुपमा बैरागी, शकुंतलाजी आदि विशेष रूप से उपस्थित थी। सुश्री लाडकुंवर दीदी ने कहा कि मातृशक्ति को अलग अलग दायित्व सौंपे जाएंगे। श्रीमती अंजू तिवारी ने भी संबोधित किया। इस अवस पर वरिष्ठ पत्रकार एवं समाचार पत्र शिवना की पुकार के प्रधान संपादक डॉ. घनश्याम बटवाल द्वारा सम्पादित आराधना आकर्षक आरती संग्रह, मंत्र, साधना प्रार्थना से सुस्पष्ट, सुंदर पत्रिका भी सभी को वितरित की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ ट्रस्टी एवं योग गुरू बंशीलाल टांक को विश्व स्तर पर योग स्पर्धा में सर्वप्रथम विगत दिनों सर्वश्रेष्ठ योग प्रशिक्षक घोषित करने पर धर्मधाम गीता भवन द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन गीता भवन सचिव पंडित अशोक त्रिपाठी ने किया व आभार जगदीश चौधरी ने माना। इसके पूर्व गीता भवन के वरिष्ठ ट्रस्टी समाजसेवी सेठ रामेश्वर काबरा को सामूहिक मोन श्रद्धांजलि दी गई।

ब्रह्माकुमारी आश्रम में लगाया आयुष्मान कार्ड हेतु नि:शुल्क कैम्प

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। तलेरा विहार स्थित ब्रह्माकुमारी आश्रम आत्मकल्याण भवन में आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ता संगीता नामदेव एवं आयुष्मान कार्ड प्रबंधक अनिल नरानिया ने नि:शुल्क कैम्प लगाकर ब्रह्माकुमारी बहनों एवं सेवकों का आयुष्मान कार्ड की जानकारी दी। इस दौरान बहनों एवं सेवकों का आभा स्वास्थ्य कार्ड एवं ई श्रम कार्ड भी बनाया तथा शासन की अन्य योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की। आयुष्मान कार्ड प्रबंधक अनिल नरानिया ने बताया कि शासन की योजनाओं की जानकारी के अभाव में कई बार हितग्राही उन योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते है। ऐसे में उनके द्वारा जन सामान्य एवं हितग्राही के घर-घर एवं वार्ड स्तर पर जाकर आयुष्मान, आभा स्वास्थ्य कार्ड सहित अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जा रही है तथा आयुष्मान व आभा स्वास्थ्य कार्ड बनाये जा रहे है। इस दौरान ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी, आयुष्मान कार्ड प्रबंधक अनिल नरानिया, आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ता संगीता नामदेव आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय टेपबाल प्रतियोगिता में 8 बालिकाएं भाग लेंगी

नीमच, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। टेप बॉल क्रिकेट फेडरेशन द्वारा दिनांक 27/11/24 से 28/11/24 तक तक बालिका वर्ग की टेप बॉल क्रिकेट की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन सुल्तानपुर लोधी, कपूरतला, पंजाब मे होने जा रही है, इसमें टेप बॉल क्रिकेट फ़ेडरेशन ऑफ़ मध्यप्रदेश की टीम भी भाग ले रही है, इस टीम मे नीमच जिले की 8 बालिकाए भाग ले रही है! इसमें से चयनित खिलाडी अंतराष्ट्रीय स्तर पर खेलने जायेगे, जिसमे प्रतिमा धाकड़, भूमिका, सोनू, प्रीति, चंचल, पूजा, सरोज, लक्षिता, अक्षिता, रीना है, यह टीम दिनांक 26/11/24 को प्रस्थान करेगी! बालिकाए दिनांक 29/11/24 को वागा बॉर्डर तथा अमृतसर स्वर्ण मन्दिर का भी भ्रमण करेगी, जानकारी कन्हैयालाल राठौर, सचिव टेप बॉल क्रिकेट फेडरेशन ऑफ़ मध्यप्रदेश द्वारा दी गयी।

रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला 27 को

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा बताया कि रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन जनपद पंचायत परिसर मल्हारगढ़ में आयोजित होगा। मेला 27 नवंबर को प्रात: 11:00 से आयोजित किया जाएगा।

पशुपतिनाथ महादेव मेला में डिम्पल शाह के डांस ग्रुप ने प्रस्तुति दी

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला के सांस्कृतिक रंगमंच पर शनिवार की रात्रि को मुंबई की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना डिम्पल शाह ने अपने डांस ग्रुप के साथ प्रस्तुति दी। रात्रि 9 बजे से देर रात्रि तक उनके द्वारा व उनके डांस ग्रुप के द्वारा एक के बाद एक शानदार नृत्य की प्रस्तुतियां हुई जिसे सभी ने सराहा। उन्होंने अपने नृत्य की शुरूआत गणेश वंदना के नृत्य से की। उन्होंने देवा हो गणेशा गीत पर अपने ग्रुप के साथ जमकर नृत्य किया। उनकी शिव ताण्डव नृत्य की प्रस्तुति को भी सभी ने सराहा। हर हर महादेव शंभु शंकरा गीत पर भी उनके द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई। डिम्पल शाह के द्वारा महासती द्रौपदी की महिमा बताने वाले नृत्य की भी प्रस्तुति हुई उनके फोक डांस मेलोडी को भी सभी ने सराहा।

पार्श्वगायक संजय चौधरी व पार्श्व गायिका हेमलता चौहान के द्वारा सभी

कई युगल गीतों की प्रस्तुतियां दी गई।

प्यार करने वाले जीते है शान से मरते है शान से गीत को सभी ने सराहा। ऐसी दिवानगी गीत पर भी श्रोताओं की खूब दाद मिली। दोनों ने जाने जहां ढूंढता फिर रहा गीत की भी प्रस्तुति दी जिसे सभी ने सराहा। आर. इवेंट मैनेजमेंट रतलाम के राजेश पंडित के कुशल संचालन में कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा की श्रोतागण कलाकारों से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। सुश्री हेमलता चौहान के साथ संजय चौधरी ने एक हसीना थी, एक दीवाना था गीत की भी प्रस्तुति दी। नृत्य ग्रुप के अन्य कलाकारों के द्वारा रंगीलो मारो ढोलना गीत पर भी जमकर नृत्य किया गया जिसे सभी ने सराहा। इस कार्यक्रम के पूर्व नपा परिषद के द्वारा कार्यक्रम में पधारे अतिथिगणों का स्वागत सम्मान कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पधारी जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार का नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, मेला सभापति भावना जयप्रकाश पमनानी के द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती पाटीदार का स्वागत नपा सभापति निलेश जैन, पार्षद गोवर्धन कुमावत, नरेन्द्र बंधवार, विनय दुबेला, संजय गोयल, नंदलाल गुजरिया, प्रतिभा विक्रम भैरवे, बब्बू पमनानी, श्रीमती प्रमिला गोयल, राकेश भावसार, शैलेन्द्र गोस्वामी, गरिमा भटी, मेला समिति की माया भावसार, सीएमओ सुधीर कुमार सिंह, मेला लिपिक राजेन्द्र नीमा आदि के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन चन्द्रशेखर नागदा व संजय चौधरी ने किया। कार्यक्रम में पूर्व नपा सभापति दिपिका जैन भी उपस्थित रही।

कलेक्टर ने की राजस्व महाअभियान की वर्चुअल समीक्षा

नीमच, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। राजस्व महाअभियान के तहत जिले के सभी राजस्व अधिकारी तीन दिन में सभी गांवों का सर्वे करवाकर परम्परागत अवरूद्ध रास्तों का चिन्हांकन कर सूची प्रस्तुत करे। नक्शे में बटांकन का प्रतिदिन का हल्कावार लक्ष्य निर्धारित कर शतप्रतिशत बटांकन कार्य पूरा करवाए। एस.डी.एम. नक्शा बटांकन का कार्य की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा करे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा ने रविवार को जिले के सभी राजस्व अधिकारियों की वर्चुअल बैठक में राजस्व महअभियान के तहत राजस्व प्रकरणों के निराकरण की तहसीलवार समीक्षा करते हुए दिये। बैठक में ए.डी.एम. श्रीमती लक्ष्मी गामड़, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रीति संघवी, सभी एस.डी.एम., तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार वर्चुअली मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री चन्द्रा ने राजस्व महाअभियान के तहत गांव-गांव में ई-केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री शिविर आयोजित कर शतप्रतिशत ई-केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण करवाने के निर्देश दिये। ई-केवायसी शिविर में पंचायत संचिव, रोजगार सहायक के साथ ही सभी विभागों के ग्राम स्तरीय अमले का सहयोग लेने के निर्देश भी दिए।

पार्षद सुनील बंसल ने सप्ताह में तीसरा दाह संस्कार किया

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सामाजिक सेवा करने वाले समाजसेवी पार्षद सुनील बंसल ने इस एक सप्ताह के अंदर तीसरी निराश्रित अज्ञात दिवंगत व्यक्ति का अंतिम संस्कार किया। रविवार को जिला चिकित्सालय से सुबह 9.10 पर चौकी प्रभारी श्री नसरुद्दीन दरबार का फोन आया कि एक बुजुर्ग व्यक्ति जो जिला चिकित्सालय में भर्ती थे। उनकी उम्र 70 साल नाम पता जाति सब अज्ञात उसकी मृत्यु हो चुकी है उनका अंतिम संस्कार करना है। यह सूचना मिलते ही श्री बंसल ने रेडक्रॉस कार्यालय प्रभारी श्रीमती राजौरा को फोन लगाकर शव वाहन जिला चिकित्सा में बुलाकर अंतिम क्रिया का सामान लिया और जिला चिकित्सालय परिसर से मृतक के शव को शव वाहन से शिवना स्थित मुक्तिधाम पर ले जाकर उसका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि सुनील बंसल ने दी।

इस संदर्भ में श्री बंसल ने यह जानकारी दी कि जिला चिकित्सालय परिसर में जो ऐसे व्यक्ति जिनका कोई नहीं होता है जो भिक्षा मांग कर या किसी अन्य तरह से अपना जीवन यापन करते हैं वह बीमार अवस्था में या चलने फिरने की अवस्था में जब भर्ती होते हैं उनका इलाज कर मामूली इलाज कर उनकी छुट्टी कर दी जाती है तो वह व्यक्ति ना तो चलने में ना काम करने की स्थिति में होता है। वह जिला चिकित्सालय परिसर में ही कहीं न कहीं किसी कोने में बाहर खुले में पड़ा रहता है। यह भी संज्ञान में आया है कि पिछले दिनों एक वृद्ध महिला की मौत हुई थी जिसका कोई नहीं था तब सोशल मीडिया पर इस प्रकार की जानकारी आई थी कि वृद्ध महिला की खुले परिसर में रहने के कारण ठंड से मृत्यु हुई। निश्चित रूप से हम सबके लिए एक सोचने का विषय है। श्री बंसल ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि जिला मुख्यालय के चिकित्सालय में ऐसे व्यक्ति की अगर छुट्टी हो जाती है और वह अन्यत्र कहीं जा नहीं सकता तो इस प्रकार की कोई व्यवस्था शासन प्रशासन के द्वारा की जाए ताकि वह व्यक्ति पूर्ण रूप से स्वस्थ होने तक कम से कम उस परिसर में रहे। और अभी चुकी ठंड का मौसम प्रारंभ हो चुका है अगर वह खुले परिसर में कहीं रहेगा तो बीमारी से तो कहीं वह थोड़ा बहुत जीत के आया लेकिन वह ठंड से मौत के आगोश में जा सकता है। तो हम हम सब जागरूक नागरिक है इस विषय में प्रशासन को सामाजिक संगठनों से चर्चा कर इस प्रकार की व्यवस्थाओं को जिला चिकित्सालय में सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

असीम से जुड़कर जीवन के हर पहलू का विस्तार करें -माता सुदीक्षा महाराज

असीम की ओर विस्तार का संदेश प्रसारित करते 77वें निरंकारी संत समागम का सफल समापन

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने 77वें वार्षिक निरंकारी संत समागम के अंतिम दिन अमृतमयी प्रवचनों के माध्यम से दिव्य संदेश में कहा कि परमात्मा असीम है और इससे जुड़ने वाला हर पहलू असीम होता चला जाता है। ब्रह्मज्ञान द्वारा परमात्मा को जानने के उपरांत जब हम इससे जुड़ते हैं तो जीवन के हर क्षेत्र में सकारात्मक विस्तार होता चला जाता है।

तीन दिवसीय निरंकारी संत समागम का भक्ति भावपूर्ण वातावरण में सफल समापन हुआ। सतगुरु माता जी ने इस दौरान अज्ञानता से उत्पन्न भेदभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में जाति, जीवनशैली, और निवास स्थान जैसे मुद्दों को लेकर भेदभाव होता है। जबकि ब्रह्मज्ञानी संत समदृष्टि के भाव से इन संकीर्णताओं से ऊपर उठकर जीवन जीते हैं। सतगुरु माता जी ने भक्ति

में भोले भाव की महत्ता बताते हुए कहा कि परमात्मा भोले भाव से रिझता है। चेतन और सजग रहते हुए भक्त भ्रम और भ्रांतियों से प्रभावित नहीं होते। उन्होंने श्रद्धालुओं से समागम में ग्रहण की गई शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

बहुभाषी कवि दरबार: अद्वितीय रचनाओं का संगम–निरंकारी संत समागम के तीसरे दिन का मुख्य आकर्षण बहुभाषी कवि दरबार रहा जिसमें देश-विदेश के 19 कवियों ने विस्तार-असीम की ओर विषय पर हिंदी, पंजाबी, मुल्तानी, हरियाणवी और अंग्रेजी भाषाओं में प्रेरणादायक ज्ञानवर्धक रचनाएं प्रस्तुत कीं। इसके अतिरिक्त, बाल कवि दरबार और महिला कवि दरबार जैसे आयोजन भी समागम की विशेषताएं रहीं जिनमें बाल कवियों और कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भावनाओं को अभिव्यक्त किया।

लंगर में सारा संसार एक परिवार की सजीव प्रस्तुति–समागम परिसर में श्रद्धालुओं के लिए चार मैदानों में लंगर सेवा की व्यवस्था की गई, जिसमें एक साथ 20 हजार संतों ने प्रसाद ग्रहण किया। दिव्यांग और वयोवृद्धों के लिए विशेष व्यवस्था की गई। पर्यावरण के प्रति जागरूकता रखते हुए भोजन स्टील की थालियों में परोसा गया। लंगर के माध्यम से सारा संसार एक परिवार जैसा स्वर्गीय नजारा दिखाई दिया जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक सभ्यताओं और धार्मिकता से जुड़े श्रद्धालु भक्तों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। इसके पूर्व समागम समिति के समन्वयक जोगिंदर सुखीजा जी ने परम श्रद्धेय सतगुरु माता जी एवं परम आदरणीय निरंकारी राजपिता जी का समस्त साध संगत की ओर से हृदयपूर्वक आभार प्रकट किया तथा सभी सरकारी विभागों का धन्यवाद किया जिन्होंने इस पावन संत समागम आयोजन के लिए अपना महत्त्वपूर्ण सहयोग दिया। श्रद्धालु भक्त इस पावन अवसर की दिव्यता और शिक्षाओं को अपने हृदयों में संजोकर अपने-अपने गंतव्यों की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। उक्त जानकारी मंदसौर मीडिया सहायक शीतलदास कोतक ने दी।

भूपेंद्र व्यास पर प्रशासनिक कार्रवाई: बालचर्या अवकाश स्वीकृत करने में लापरवाही और राशि की मांग का मामला

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, मंदसौर के स्थानीय कार्यालय में कार्यरत सहायक ग्रेड-3 भूपेंद्र व्यास के खिलाफ गंभीर प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। यह कदम नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती हेमलता बटवाल द्वारा की गई शिकायत के आधार पर उठाया गया। शिकायत में आरोप था कि भूपेंद्र व्यास ने स्थापना शाखा का प्रभार संभालते हुए श्रीमती बटवाल के बालचर्या अवकाश का निराकरण करने में न केवल लापरवाही बरती, बल्कि अवकाश स्वीकृत करने के लिए अनुचित रूप से राशि की मांग की।

नेमीचंद राठौर

जांच में भूपेंद्र व्यास को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया। यह मामला मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 का उल्लंघन साबित हुआ, जो सरकारी कर्मचारियों के आचरण और पदीय कर्तव्यों के प्रति सम्मान को निर्धारित करता है। जांच के निष्कर्षों ने यह स्पष्ट किया कि भूपेंद्र व्यास अपने पदीय दायित्वों को निभाने में अक्षम थे और उन्होंने अपने पदीय कर्तव्यों में गंभीर उदासीनता प्रदर्शित की। इसे कदाचरण और नियमों के उल्लंघन की श्रेणी में रखा गया है।

आदेश और वेतनवृद्धि पर रोक–मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, मंदसौर ने 12 नवंबर 2024 को आदेश (क्रमांक/शिकायत/2024/9922) जारी किया। इसमें भूपेंद्र व्यास के खिलाफ मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 10(4) के तहत कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के अंतर्गत उनकी आगामी एक वार्षिक वेतनवृद्धि को असंचयी प्रभाव से रोक दिया गया है। यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही न दोहराई जाए।

कार्मिक प्रबंधन में बदलाव–प्रशासनिक कार्यों में सुधार और बेहतर सुविधा के लिए कर्मचारियों के कार्य विभाजन में भी बदलाव किया गया है। भूपेंद्र व्यास को स्थापना शाखा के प्रभार से हटाकर उनका स्थान जितेंद्र डंगे, सहायक ग्रेड-3 को दिया गया है। इसके अतिरिक्त, भूपेंद्र व्यास को शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय, मंदसौर के लिपिकीय कार्य से भी मुक्त कर दिया गया है। उन्हें अब रोगी कल्याण समिति और वेतन निर्धारण शाखा का कार्य सौंपा गया है।

शिकायत का विवरण और जांच के निष्कर्ष–श्रीमती हेमलता बटवाल ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि भूपेंद्र व्यास ने बालचर्या अवकाश स्वीकृत करने में अनुचित तरीके से व्यवहार किया और इस प्रक्रिया को जानबूझकर विलंबित किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अवकाश स्वीकृत करने के लिए राशि की मांग की गई थी। जांच समिति ने इस आरोप की गहनता से जांच की और पाया कि व्यास ने अपने दायित्वों के प्रति लापरवाही बरती थी। इसके साथ ही, यह आचरण न केवल उनके पद की गरिमा के विपरीत था, बल्कि कर्मचारियों और विभाग के प्रति अविश्वास भी उत्पन्न करता है।

लापरवाही पर जीरो टॉलरेंस–जिला प्रशासन ने इस घटना के माध्यम से स्पष्ट कर दिया है कि पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने अपने आदेश में यह भी उल्लेख किया कि कर्मचारियों के कदाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाया जाएगा। इस प्रकार की कार्रवाई अन्य कर्मचारियों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि अपने कर्तव्यों की अनदेखी गंभीर परिणामों की ओर ले जा सकती है।

प्रशासनिक दृष्टिकोण का महत्व–इस घटना ने प्रशासनिक कार्य प्रणाली में सुधार की आवश्यकता को भी रेखांकित किया है। कर्मचारियों के पदीय दायित्वों को स्पष्टरूप से परिभाषित करना और उनकी निगरानी सुनिश्चित करना, प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह मामला कर्मचारियों के आचरण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता को भी उजागर करता है। लापरवाही के प्रति जिला प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति से न केवल विभागीय अनुशासन में सुधार होगा, बल्कि कर्मचारियों को भी अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

परीक्षाओं में सामूहिक नकल, पेपर लीक में हो सकती है 10 साल की जैल, एक करोड़ जुर्माने का भी प्रविधान

भोपाल, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश की परीक्षाओं में नकल, सामूहिक नकल और पेपर लीक करना-कराना भारी पड सकता है। सरकार ऐसा करने के अपराध में सजा बढ़ाकर 10 साल तक की जेल और एक करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रविधान करने जा रही है। इसके लिए मध्य प्रदेश मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव तैयार है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद इसे विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पेश किया जाना है।

इस कानून के दायरे में माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन मंडल की सभी परीक्षाएं आएंगी। बताया जा रहा है कि अभी तक इस कानून में अनुचित साधन के प्रयोग यानी नकल करने पर तीन साल की जेल और पांच हजार रुपये तक के जुर्माने की सजा थी। प्रश्नपत्रों को लीक करने, उन्हें बहुप्रसारित करने, सामूहिक नकल कराने अथवा परीक्षा की गोपनीयता भंग करने जैसे अपराधों में भी जेल और जुर्माने के प्रविधान एक जैसे हैं, लेकिन अब सजा कड़ी होगी। इसके लिए अधिकारियों ने केंद्र सरकार के कानून सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 को भी आधार बनाया है। संशोधन पारित होकर कानून बना तो नकल, सामूहिक नकल, पेपर लीक और परीक्षा की गोपनीयता भंग जैसे अपराधों में 10 साल की जेल और एक करोड़ रुपये तक का भारी भरकम जुर्माना भरना पड सकता है। अधिकारियों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में हुए पेपर लीक और सामूहिक नकल की घटनाओं से सबक लेते हुए कानून में संशोधन किया जा रहा है। कोशिश है कि ऐसा करने वालों के मन में सजा का डर बैठे। दो साल पहले माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं व 12वीं के 16 विषयों के प्रश्नपत्र बहुप्रसारित हो चुके हैं। वहीं व्यापमं और लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में पेपर लीक और सामूहिक नकल की कई घटनाओं पर विवाद रहा है।

नकल माफिया से वसूला जाएगा परीक्षा का खर्च–प्रस्तावित कानून में फर्जी प्रश्नपत्र बांटना, फर्जी सेवायोजन वेबसाइट बनाने को भी अपराध बताया गया है। इस तरह के फर्जीवाड़े से अगर परीक्षा टलती है तो उस पर पड़ने वाला वित्तीय भार ऐसे फर्जीवाड़ा करने वालों, नकल माफिया या सॉल्वर गिरोह से वसूला जाएगा। परीक्षा में गड़बड़ी करने वाली कंपनियों और सेवा प्रदाताओं को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। इसकी वसूली राजस्व बकाये की तरह होगी। इसमें कुर्की का विकल्प भी शामिल है।

परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल पूर्ण प्रतिबंधित–मौजूदा कानून में परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थी के मोबाइल, कैलकुलेटर समेत कोई भी इलेक्ट्रानिक उपकरण ले जाने पर प्रतिबंध है। केंद्र पर प्रबंधन और पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी संभाल रहे लोगों को मोबाइल ले जाने और इस्तेमाल करने से छूट मिली हुई है। बताया जा रहा है कि नए कानून में केंद्र अध्यक्ष का भी मोबाइल फोन ले जाना प्रतिबंधित होगा। ऐसा किया तो उन्हें भी 10 साल की जेल और एक करोड़ रुपये जुर्माने की सजा भुगतनी होगी। इस प्रविधान के पीछे प्रश्नपत्रों की फोटो खींचकर इंटरनेट मीडिया के माध्यम से बहुप्रसारित करने की प्रवृत्ति बताई जा रही है।

परीक्षाओं की गड़बड़ी रोकने के लिए वर्तमान प्रविधान को और प्रभावी बनाने के लिए संशोधन प्रस्तावित है। हमारा प्रयास है कि विधानसभा के आगामी सत्र में इसे प्रस्तुत कर दिया जाए।

डॉ. संजय गोयल
सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग

कचनारा नगर में निकला दुर्गा वाहिनी का संचलन

नाहरगढ़, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नाहरगढ कचनारा में रविवार को दुर्गावाहिनी के नेतृत्व में संचलन निकला। नई आबादी स्थित हनुमान मंदिर आश्रम पर माताओ बहनो द्वारा एकत्रित होकर कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का उद्बोधन सुना साथ ही दुर्गावाहिनी बहनो द्वारा शस्त्र प्रदर्शन भी किया गया ततपश्चात नगर में मातृशक्ति द्वारा दण्ड व शस्त्र के साथ नगर भ्रमण किया गया। नगर भ्रमण के दौरान जगह जगह ग्राम वासियों द्वारा जगह जगह पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। संचलन में कचनारा सहित आसपास के गांवों की भी दुर्गावाहिनी सदस्यो ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान टीना शर्मा- दुर्गा वाहिनी मंदसौर विभाग संयोजिका, प्रवीण कुमार मंडलोई- विश्व हिन्दू परिषद जिला अध्यक्ष, शान्ति रावल- मातृशक्ति मंदसौर जिला संयोजिका उपस्थित थे साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी, साथ नाहरगढ थाना स्टाफ़ मौजूद था। कार्यक्रम का संचालन नंदिनी नागदा ने किया व अंत मे आभार रोहिणी शर्मा ने माना।

पंचायत उप निर्वाचन के लिए एएन अरोरा प्रेक्षक नियुक्त

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले में जनपद पंचायत सदस्य के उप निर्वाचन के लिए मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा श्री अनंतनारायण अरोरा, रा.प्र.से. (सेवानिवृत्त) को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। प्रेक्षक जिले में 24 नवम्बर 2024 से 28 नवम्बर 2024 तक तथा 08 दिसम्बर 2024 से 13 दिसम्बर 2024 तक उपस्थित रहेंगे। प्रेक्षक श्री अरोरा भानपुरा सर्किट हाउस में रुके हुए हैं। वहा पर प्रात: 11 से 12 बजे तक कोई भी व्यक्ति निर्वाचन से संबंधित समस्या लेकर मिल सकता है या उनके मोबाइल नंबर पर +91 9425134261 संपर्क कर सकता है। प्रेक्षक इस दौरान अभ्यर्थियों तथा प्रतिनिधियों से मिलने और उनकी शिकायतें या सुझाव सुनेंगे और निराकरण करेंगे।

बच्चों को व्यावसायिक ज्ञान देना भी आवश्यक-प्रजापति

विद्यासागर पब्लिक स्कूल भाटखेड़ी द्वारा बाल मेले का किया आयोजन

मनासा, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भाटखेड़ी के विद्यासागर पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले की खास बात यह रही की इसमें छोटे छोटे बच्चों के पास मेले की संपूर्ण व्यवस्थाएं रही। स्कुल प्रबंधन द्वारा बाल मेले में मेला संयोजक, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव एवं मेले की कमेटी बनाई गई। बच्चों ने मेले में प्रवेश होने वाले मुख्य द्वार पर पर्यावरण को बढ़ावा देने व सुरक्षा हेतु पौधे एवं जैविक खाद का स्टाल लगाया। जो कि बच्चों द्वारा ही निर्मित किए गए पौधे थे। मेले में पुलिस चौकी, उपभोक्ता फॉर्म स्टाल व आधुनिक स्टाल नजर आए। इसमें बच्चे ने स्वादिष्ट खाने-पीने के व्यंजनों के स्टाल, गेम्स स्टाल भी

बच्चों द्वारा लगाए गए। मेले में कुल 51 स्टाल्स बच्चों द्वारा लगाए गए। इसमें प्राकृतिक, आध्यात्मिक, व्यवसायिक व शिक्षा का अनूठा संगम था। स्कूल के डायरेक्टर विनोद पाटीदार ने बताया कि स्कूल के 75% बच्चे नो मोबाइल क्लब के मेंबर है, जोकि स्वयं के घर पर बिल्कुल भी मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करते विद्यालय द्वारा दिए गए समय तक तो उन बच्चों को जीरो स्क्रीन यूजर से सम्मानित किया जाएगा। उन बच्चों को विद्यालय द्वारा यात्रा पर भी ले जाया जाएगा। साथ ही उन्होंने मेले के बारे में बताते हुए कहा कि हम बच्चों को यह बताना चाहते हैं की व्यापार किस प्रकार होता है। हमने बच्चों को स्टॉल्स लगाने पर टैक्स लेने का भी निर्णय लिया। जिससे उन्हें टैक्स वैल्यू का भी ज्ञान मिल सके। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि साहित्यकार दादू प्रजापति ने संबोधित करते हुए कहा कि विद्या सागर स्कुल प्रबंधन ने बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यवसायिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देने का संपूर्ण प्रयास किया हैं। वास्तविकता में यह ज्ञान महत्वपूर्ण होता है। जीवन यापन के लिए स्कूल में कुछ छात्र-छात्राएं नो मोबाइल क्लब भी देखने को मिला। प्रेस क्लब मनासा संरक्षक कैलाश सोडानी ने कहा कि बाल मेले से बचो में आत्मविश्वास बढ़ता हैं। उन्हे व्यावसायिक करण के बारे में जानकारी मिलती है कि किस प्रकार भविष्य में नोकरी नहीं मिलने पर आप व्यवसाय कर अपना जीवन निर्वहन कर सकते हैं। भाटखेडी के सरपंच मनोज पुरोहित ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में विश्वास व उत्साह बढ़ाते हैं। कार्यक्रम को प्रेस क्लब मनासा सचिव भरत कनेरिया, डाक्टर शैलेंद्र पाटीदार ने भी संबोधित किया। इस दौरान प्रेस क्लब उपाध्यक्ष राकेश गुर्जर, सहसचिव मंगल गोस्वामी, सदस्य नमन यति, मंगल कुशवाहा, राकेश शर्मा, पालक संघ अध्यक्ष शिक्षक गणपति पाटीदार, उपाध्यक्ष मनोज सोनी सहित गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कमलेश पाटीदार, विनोद पाटीदार ने किया आभार प्राचार्य दुर्गेश धनगर ने माना।

सवाई भाट इंडियन आइडल फेन नाईट्स की प्रस्तुति आज

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, मेला सभापति श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी, सीएमओ सुधीर कुमारसिंह, मेला अधिकारी पी.एस. धारवे ने बताया कि आज दिनांक 25 नवम्बर सोमवार को रात्रि 8.30 बजे से देर रात्रि तक नगरपालिका द्वारा भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला के सांस्कृतिक रंगमंच पर पार्श्व गायक सवाई भाट अपनी प्रस्तुति देंगे। मंदसौर नगरपलिका परिषद ने कई लोकप्रिय चैनलों पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम इंडियन आइडल के कलाकार सवाई भाट को पशुपतिनाथ मेला में प्रस्तुति देने हेतु आमंत्रित किया है।

नीमच जिले में चमत्कारी स्थान, दर्शन मात्र से लकवा ग्रसित को मिलता है आराम

नीमच, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मन में ईश्वर के प्रति अटूट आस्था व विश्वास हो तो, हर समस्या का हल ईश्वरीय दर्शन में निहित है। विज्ञान भी नकार नही सकता। आधुनिक युग में ईश्वरीय चमत्कार व तुरन्त परिणाम के आरोग्य व धार्मिक स्थल देशभर में कई जगह है। जँहा हजारो लोग प्रतिदिन अपनी आस्था लेकर व बिमारियो से ग्रसित होकर जाते है। व कुछ ही समय में मनोकामना पूर्ण हो जाती है व मन्नत पूर्ण होने पर धार्मिक व आरोग्य स्थल पर धार्मिक आयोजन भी सम्पन्न होते है। मध्य प्रदेश के नीमच की मनासा विधान सभा क्षेत्र की अरावली पर्वत श्रृंखला से जुड़ा हुआ। एक आरोग्य स्थल वर्तमान में प्रचलित है। मनासा - गांधी सागर मुख्य सड़क से, गाँव कुण्डालिया से उत्तर दिशा की ओर लगभग 2 किमी दुरी पर स्थित चिकली गांव के समीप पहाड़ी पर विराजित माँ बामनिया का विशाल मंदिर है। जँहा पर प्रतिदिन सेंकडो भक्तजन माँ बामनिया के दर्शन हेतु पहुंचते है। वंही प्रति रविवार को भक्तो की संख्या में इजाफा रहता है। वन्ही वर्षभर की दोनों नवरात्रि में भारी संख्या में भक्तजनो का आवागमन व रात्रिकालीन नौ दिवसीय विश्राम माँ बामनिया के आँगन में रहता है।

ज्ञात हो की मालवा की वैष्णोदेवी कहि जाने वाली माँ भादवा के जैसा चमत्कार व त्वरित बीमारियो का निदान माँ बामनिया के दर्शन से पीडितो को मिल रहा है। लकवा ग्रसित पीड़ित, लकवे के लक्षण दीखते ही माँ बामनिया के स्थल पर पहुंचने व दर्शन करने से कई लकवाग्रस्त व्यक्ति ठीक हुए है। मोहनलाल मीणा, बापुलाल रावत, शिवलाल रावत लकवा पीड़ित भक्तो ने ठीक होने और खुद अपनी जुबानी बताया है कि हम लकवा की ग्रस्त में आ गए थे, बामनिया माता मन्दिर पर 10 दिन रहकर, माँ बामनिया के दर्शन लाभ लिए जिसकी वजह से आज हम लगभग पूरी तरह लकवा बीमारी से ठीक हो चुके है। वंही रामदयाल मोर्य (शिक्षक) की बोली (आवाज) बंद हो गयी थी। वो भी बामनिया माँ के दर्शन से पूरी तरह ठीक होकर, आज पूर्व की तरफ स्वस्थ्य है। आरोग्य धाम बामनिया माता मन्दिर तक पहुंचने व अधिक जानकारी हेतु आप ठाकुर प्रतापसिंह पंवार - 9893758043, प्रकाश दानगढ - 98263 60334, कारूलाल मेंबर - 99773 13725, शांतिलाल शर्मा पत्रकार - 97536 34023 के मोबाईल नम्बर पर सम्पर्क कर सकते है।

मप्र में स्कूली विद्यार्थी पढ़ेंगे यातायात का पाठ

पांचवीं के विद्यार्थियों को बांटी जाएंगी 87 लाख पुस्तकें

भोपाल, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार अब स्कूली विद्यार्थियों को यातायात का पाठ पढ़ाएगी। इसकी शुरुआत आगामी शिक्षा सत्र (2025-26) से कक्षा पांच के विद्यार्थियों से होगी। इसके लिए पुलिस मुख्यालय 87 लाख पुस्तकें छपवा रहा है। पांचवीं से 12वीं तक क्रमश: हर वर्ष नई कक्षा में नई पुस्तक पढ़ाई जाएंगी।

कैसा रहेगा पाठ्यक्रम–पाठ्यक्रम भी इस तरह से तैयार किया जा रहा है कि इसमें दोहराव न हो। साथ ही उनकी सामग्री विद्यार्थियों के बौद्धिक स्तर के अनुकूल हो। पांचवीं की पुस्तक में आठ अध्याय हैं। इसमें वाहन सड़क में कैसे, किस दिशा में चलाएं, रोटरी क्या है। प्रदूषण के मापदंड के अनुसार वाहन कितने प्रकार के होते हैं। लाइसेंस कितने तरह के होते हैं, जैसी जानकारियों को शामिल किया गया है।

सख्ती के साथ सोच बदलना भी जरूरी–पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों का कहना है कि सख्ती के साथ ही लोगों का सोच बदलना भी जरूरी है और इसकी शुरुआत के लिए विद्यार्थियों से अच्छा कोई समूह नहीं हो सकता। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) संजीव शमी ने बताया कि पाठ्यक्रम समिति ने इसे स्वीकृति दे दी है। पाठ्यक्रम में इन्हें अगले शैक्षणिक सत्र से शामिल किया जाएगा कि नहीं यह अभी तय होना है। पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं बन पाने के बाद भी विद्यार्थियों को यह पुस्तकें पढ़ाई जाएंगी।

फूड पाइजनिंग: आठ महिलाएं अस्पताल में भर्ती

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गरोठ में एक परिवार में शादी समारोह निपटाने के बाद रसमलाई का दूध पीने से 8 महिलाएं फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गई। जिनको उपचार गरोठ के इंदिरा गांधी शासकीय चिकित्सालय भर्ती कराया गया। गरोठ नगर में शुभम चौधरी का शादी समारोह चल रहा था जिसमें कार्यक्रम निपट जाने के बाद दूल्हा दुल्हन की स्वागत की तैयारी का कार्यक्रम रखा गया था। इस घटना में शैलजा पति विकास उम्र 47 वर्ष, शीला पति ओमप्रकाश उम्र 49, कृष्णा पति रमेश चौधरी उम्र 58 वर्ष, मंगल पति अशोक उम्र 50 वर्ष, संतोष पति दिनेश उम्र 60 वर्ष, सीमा पति बृजेश उम्र 40 वर्ष, हेमलता पति सुरेश 56 वर्ष, पुष्पा पति मोहनलाल 48 वर्ष, आशा पति आशीष मोदी उम्र 38 वर्ष, अनीता पति अशोक उम्र 54 वर्ष को स्वास्थ्य संबंधित समस्या के बाद अस्पताल भर्ती कराया गया था।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना हेतु फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य-अपर कलेक्टर

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना हेतु फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। दिसंबर 2024 के उपरांत केवल फार्मर आईडी उपलब्ध होने पर ही योजना का लाभ हितग्राही को प्राप्त हो सकेगा। समस्त संबंधित हितग्राहियों से अपील की है कि वह अपनी फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से करवा ले।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का निरंतर लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री बनाना अनिवार्य किया गया है। सर्वप्रथम अपने आधार से मोबाइल नंबर लिंक करें, उपरांत अपने नजदीकी सीएससी केंद्र अथवा गांव के पटवारी के माध्यम से फॉर्मर रजिस्ट्री करवा सकते हैं अथवा व्यक्ति स्वयं लिंक पर जाकर मोबाइल नंबर से रजिस्टर कर आधार ओटीपी के माध्यम से स्वयं भी फार्मर रजिस्ट्री कर सकते हैं। फार्मर रजिस्ट्री का उद्देश्य है कि समस्त भू-धारियों के आधार लिंक्ड रजिस्ट्री तैयार करना है जिसमें भू-धारियों को एक अन्य फार्मर आईडी प्रदान किया जाएगा। फार्मर रजिस्ट्री के उद्देश्यो में योजनाओं का नियोजन, लाभार्थियों का सत्यापन, कृषि उत्पादों का सुविधाजनक वितरण, प्रदेश के समस्त किसानों को राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ तथा पारदर्शी तरीके से प्रदान करने हेतु लक्ष्य निर्धारण एवं किसानों के लिए कृषि ऋण तथा अन्य सेवा प्रदाताओं के लिए कृषि सेवाओं की सुगमता शामिल है।

उठावना एवं शोक निवारण

अत्यंत दुख के साथ सूचित करने में आता है कि स्व.भंवरसिंहजी एवं स्व. सुभाषजी के छोटे भ्राता व

जवाहरलाल के बड़े भ्राता, राजेंद्र व तरुण के काका सा., सिद्धार्थ के बड़े पापा एवं रोहन, रोमिल तथा चारित्र के छोटे दादाजी तथा श्रीमती मोना के पूज्य पिताजी व जयसिंहजी मेहता (मकराना) के ससुर जी श्री पारसमलजी भंडारी का आकस्मिक नि:धन रविवार को हो गया है जिनका उठावना एवं शोक निवारण कार्यक्रम कल सोमवार, दिनांक 25 नवंबर 2024, को प्रात: 10.30 बजे पुराना गाड़ी अड्डा (सब्जी मंडी) स्थित श्री विमलनाथ जैन मांगलिक भवन पर रखा गया है।

***** शोकाकुल *****
जवाहर भंडारी, राजेंद्र भंडारी, तरुण भंडारी एवं भंडारी परिवार (रामपुरा वाला) पिपलियामंडी, मंदसौर, रामपुरा, इंदौर

राज्य स्तरीय बेसबाल प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 24 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। 68वीं राज्य स्तरीय बेसबॉल 17 वर्ष बालक/बालिका प्रतियोगिता का समापन समारोह हर्षोल्लास एवं उमंग के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल जी गुर्जर एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉक्टर विजय पाटीदार, कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी श्री लोकेंद्र डाभी ने की। विशिष्ठ अतिथि खेल एवं युवक कल्याण विभाग जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री विजेंद्र देवड़ा, सहायक संचालक सुश्री टेरेसा मिंज, जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री बंशीलाल बारिवाल, लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के ऑब्जर्वर श्री भीम सिंह विषैला एवं श्री राकेश चौधरी उपस्थित थे।

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात् अतिथियों का स्वागत किया गया। शासकीय रिछालालमुंहा के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम गीत की प्रस्तुति दी। प्रचार प्रसार विभाग के समिति सदस्य संस्कृत गुरु श्री दिनेश दास बैरागी, श्री मुकेश जैन एवं श्री राजेश प्रजापत ने बताया कि 17 वर्ष बालक वर्ग बेसबॉल में शानदार प्रदर्शन कर उज्जैन संभाग विजेता, इंदौर संभाग उप विजेता एवं तृतीय स्थान पर भोपाल संभाग रहा। 17 वर्ष बालिका वर्ग बेसबॉल में उज्जैन संभाग विजेता, इंदौर संभाग उप विजेता एवं तृतीय स्थान पर सागर संभाग रहा। इस प्रकार बालक एवं बालिका वर्ग में उज्जैन संभाग विजेता एवं इंदौर संभाग उप विजेता रहा। अतिथियों द्वारा सभी विजेता टीमों को ट्रॉफी, शील्ड, पदक व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में सभी संभागों से 135 बालक 129 बालिका कुल 264 बालक/बालिका, 39 ऑफिसर, कोच, मैनेजर, रैफरी, विभिन्न समितियां के 89 सदस्यों ने चार दिवसीय बेसबॉल प्रतियोगिता के संचालन में अपना अहम योगदान देकर प्रतियोगिता को संपन्न करवाया। स्वागत भाषण एवं प्रतिवेदन वाचन तथा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट जिला शिक्षा अधिकारी श्री लोकेंद्र डाभी ने प्रदान किया। प्रतियोगिता के सभी संयोजक, सहसंयोजक, तकनीकी टीम, ऑफिशल्स, व्यायाम शिक्षक, दल प्रबंधक आदि को भी स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कीर्ति सक्सेना श्री आशीष बंसल एवं आभार प्रदर्शन संयोजक डॉ.श्रीमती विनीता प्रधान ने माना।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-मंदसौर

Email ID-eeresmandsaur@mp.gov.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-10/2024-25

जावक क्रमांक/1595/ग्रा.यां.से./वलेलि/निविदा/2024-25 मंदसौर, दिनांक-20.11.2024

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से निम्नांकित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स.क्रं.	ऑनलाईन टेण्डर नं.	कार्य का नाम	कार्यो की संख्या	निर्माण कार्यो की अनुमानित (राशि रुपए में)	रिमार्क
1	2024_RES_382576_1	सी.एम.राईज स्कूल लदूना के स्कूल परिसर में नवीन कूप निर्माण, ज.पं. सीतामऊ	1	1230326	---
2	2024_RES_382578_1	सी.एम.राईज स्कूल चंदवासा के स्कूल परिसर में नवीन कूप निर्माण, ज.पं. गरोठ	1	1449784	---
3	2024_RES_382579_1	सी.एम.राईज स्कूल भानपुरा के स्कूल परिसर में नवीन कूप निर्माण, ज.पं. भानपुरा	1	1417296	---

उपरोक्त निविदा के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकेंगे। निविदा प्रपत्र पोर्टल पर दिनांक 27.11.2024 से देखे जा सकेंगे। विस्तृत सूचना Key Dates तथा अन्य जानकारी वेबसाईड पर देखी जा सकती है। निविदा संबंधी समस्त संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किये जावेंगे। केवल वेबसाईट पर देखे जा सकेंगे।

कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मंदसौर

G-19408/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in